दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 119
मुरादाबाद
21 August 2025
(Thursday)
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

लोकसभा में गृहमंत्री शाह ने पेश किए तीन अहम विधेयक;विपक्ष का हंगामा, फाड़ी बिल की कॉपी

संसद के मानसून सत्र में बुधवार को भी विपक्ष ने लोकसभा और राज्यसभा में हंगामा किया। विपक्ष ने बिहार एसआईआर का विरोध किया। लोकसभा में ऑनलाइन गेमिंग विधेयक पेश किया गया।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की ओर से पेश संविधान (एक सौ तीसवां संशोधन) विधेयक, 2025, केंद्र शासित प्रदेश सरकार (संशोधन) विधेयक, 2025, जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025 को संयुक्त संसदीय समिति को भेजने का प्रस्ताव पेश किया गया। लोकसभा से तीनों

विधेयकों को संयुक्त संसदीय समिति को भेजने का प्रस्ताव पास किया गया। लोकसभा की कार्यवाही शुरू। स्पीकर ओम बिरला ने हंगामा कर रहे विपक्षी सांसदों को फटकार लगाई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तीनों विधेयकों को संयुक्त संसदीय समिति को भेजने की सिफारिश की।

इस दौरान विपक्ष ने जमकर हंगामा किया। विपक्ष की ओर से बिल की कॉपी फाड़कर केंद्रीय गृह मंत्री की ओर फेंकी गई।कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा कि जब अमित शाह को गिरफ्तार किया गया था तो क्या उन्होंने अपनी नैतिकता दिखाई थी?इस पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मुझ पर जब आरोप लगे थे तो मैंने गिरफ्तारी से पहले नैतिक रूप से इस्तीफा दिया था। कोर्ट से निर्दोष साबित न होने तक मैंने कोई सांविधानिक पद नहीं लिया था। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की ओर से पेश किए गए विधेयकों का उद्देश्य यह है कि अगर प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री, किसी राज्य के मुख्यमंत्री या केंद्र शासित प्रदेश के मंत्री को गंभीर आपराधिक मामलों में गिरफ्तार या हिरासत में लिया जाता है तो उन्हें उनके पद से हटाया जा सके। इसका विपक्ष की ओर से विरोध किया जा रहा है। राज्यसभा की कार्यवाही शुरू। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने आईआईएम से जुड़ा विधेयक पेश किया।लोकसभा की कार्यवाही शुरू। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में संविधान (एक सौ तीसवां संशोधन) विधेयक, 2025, केंद्र शासित प्रदेश सरकार (संशोधन) विधेयक, 2025, जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025 पेश किए।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह लोकसभा में प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री, किसी राज्य के मुख्यमंत्री या केंद्र शासित प्रदेश के मंत्री की आपराधिक मामले में गिरफ्तारी से जुड़ा विधेयक पेश करेंगे। भाजपा सांसदों को व्हिप जारी कर सदन में रहने के लिए कहा गया है। एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने संविधान (एक सौ तीसवां संशोधन) विधेयक, 2025 पेश किए जाने का विरोध करने के लिए लोकसभा में नोटिस दिया। उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश सरकार (संशोधन) विधेयक, 2025 पेश किए जाने का विरोध करने और जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025 पेश किए जाने के विरोध में लोकसभा में नोटिस दिया। गंभीर आपराधिक आरोपों में घिरे प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को हटाने संबंधी विधेयक पर सपा सांसद राम गोपाल यादव ने कहा कि अगर किसी पर कोई आरोप न भी हो, तो भी आरोप लगाए जा सकते हैं और इस सरकार में लगाए भी जा रहे हैं। लोगों को झूठे और गंभीर आरोपों में जेल में डाला जा रहा है। जिन राज्यों में भाजपा के मुख्यमंत्री या मंत्री नहीं हैं, उन्हें सत्ता से हटाने का एक और तरीका इस सरकार द्वारा लाया जा रहा है। लोकतांत्रिक मानदंड अब बचे ही नहीं हैं। जो लोग यह विधेयक ला रहे हैं, उन्हें एक बात समझ नहीं आ रही है कि एक बार सत्ता से बाहर जाने के बाद वे वापस नहीं आएंगे। उनके अपने ही लोगों ने उनका विरोध करना शुरू कर दिया है।

ऑनलाइन गेमिंग बिल पर कांग्रेस-भाजपा में ठनी, प्रियांक खरगे बोले- गलत नीति का मास्टरस्ट्रोक

प्रियांक खरगे ने कहा कि प्रतिबंध नहीं, बल्कि विनियमन ही सही रास्ता है। उनका तर्क है कि प्रतिबंध से लत या आत्महत्या जैसी समस्याएं नहीं रुकेंगी, बल्कि लोग अनियमित और अवैध विदेशी प्लेटफार्मों की ओर चले जाएंगे, जहां मनी लॉन्ड्रिंग और सुरक्षा खतरे और बढ़ जाते हैं। उन्होंने आगाह किया कि इससे राष्ट्रीय सुरक्षा पर भी खतरा मंडरा सकता है।केंद्र सरकार लोकसभा में आज ऑनलाइन मनी गेमिंग पर प्रतिबंध लगाने वाला बिल पेश करने जा रही है। इस पर कांग्रेस नेता और कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने सरकार को आड़े हाथों लेते हुए इसे एक और गलत नीति का मास्टरस्ट्रोक बताया है। प्रियांक खरगे ने चेतावनी दी कि इस कदम से सरकार को करों से होने वाली भारी आय का नुकसान, हजारों नौकरियों पर संकट और अरबों रुपये के विदेशी निवेश पर असर पड़ सकता है। बैन से निवेशक पीछे हट जाएंगे- खरगे उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, भारत को ऑनलाइन रियल मनी गेमिंग (आरएमजी) से हर साल करीब 20,000 करोड़ रुपये जीएसटी और आयकर के रूप में मिलते हैं। बैन से राज्यों की यह आय खत्म हो जाएगी। देश में 2000 से ज्यादा गेमिंग स्टार्टअप और 2 लाख से ज्यादा नौकरियां इस सेक्टर से जुड़ी हैं। बैन से भारतीय प्रतिभा और उद्यमिता विदेश चली जाएगी। पिछले 5 साल में इस सेक्टर में 23,000 करोड़ रुपये का एफडीआई (विदेशी निवेश) आया है। बैन से निवेशक पीछे हट जाएंगे। हर साल 7,000 करोड़ रुपये विज्ञापन, डाटा सेंटर, साइबर सुरक्षा और स्पॉन्सरशिप पर खर्च होते हैं, जो पूरी तरह खत्म हो जाएंगे। प्रियांक खरगे ने कहा कि प्रतिबंध नहीं, बल्कि विनियमन ही सही रास्ता है। उनका तर्क है कि प्रतिबंध से लत या आत्महत्या जैसी समस्याएं नहीं रुकेंगी, बल्कि लोग अनियमित और अवैध विदेशी प्लेटफार्मों की ओर चले जाएंगे, जहां मनी लॉन्ड्रिंग और सुरक्षा खतरे और बढ़ जाते हैं। उन्होंने आगाह किया कि इससे राष्ट्रीय सुरक्षा पर भी खतरा मंडरा सकता है। केंद्र सरकार लोकसभा में आज ऑनलाइन मनी गेमिंग पर प्रतिबंध लगाने वाला बिल पेश करने जा रही है। इस पर कांग्रेस नेता और कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने सरकार को आड़े हाथों लेते हुए इसे एक और गलत नीति का मास्टरस्ट्रोक बताया है। प्रियांक खरगे ने चेतावनी दी कि इस कदम से सरकार को करों से होने वाली भारी आय का नुकसान, हजारों नौकरियों पर संकट और अरबों रुपये के विदेशी निवेश पर असर पड़ सकता है। बैन से निवेशक पीछे हट जाएंगे, जहां मनी लॉन्ड्रिंग और सुरक्षा खतरे और बढ़ जाते हैं। उन्होंने आगाह किया कि इससे राष्ट्रीय सुरक्षा पर भी खतरा मंडरा सकता है। क्या है सरकार का बिल? केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव आज लोकसभा में %प्रमोशन एंड रेग्युलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग बिल, 2025% पेश करेंगे। इस बिल के प्रमुख बिंदुओ में - ऑनलाइन मनी गेमिंग पर रोक लगाना, खासकर वे गेम जो राज्यों की सीमा पार या विदेश से संचालित होते हैं। युवाओं और संवेदनशील वर्ग को मानसिक, सामाजिक और आर्थिक नुकसान से बचाना। डिजिटल तकनीक के जिम्मेदार इस्तेमाल को बढ़ावा देना। सार्वजनिक व्यवस्था और जन स्वास्थ्य की सुरक्षा। एक अथॉरिटी (प्राधिकरण) का गठन, जो ऑनलाइन गेमिंग सेक्टर में नीतिगत सहयोग, रणनीतिक विकास और निगरानी करेगा।क्या है प्रियांक खरगे का सुझाव? कांग्रेस नेता का कहना है कि सरकार को चाहिए कि- स्किल-बेस्ड प्लेटफॉर्म को नियमों के तहत चलने दे। आईटी नियम 2021 का सख्ती से पालन कराए। केवल वैध ऑपरेटरों को व्हाइटलिस्ट करे। उनका मानना है कि संतुलित नियमन से न केवल राजस्व और रोजगार सुरक्षित रहेंगे, बल्कि नवाचार और राष्ट्रीय सुरक्षा को भी मजबूती मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी को बड़ी राहत, बहाल हो सकती है विधायकी; मऊ सीट पर नहीं होगा उपचुनाव

मुख्तार अंसारी के बेटे व मऊ से विधायक रहे अब्बास अंसारी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अब्बास अंसारी को मऊ कोर्ट से सुनाई गई दो साल की सजा पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है।मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अब्बास अंसारी की विधायकी बहाल हो सकती है। उत्तर प्रदेश की की मऊ सदर सीट पर अब उपचुनाव नहीं होगा। हेट स्पीच मामले में एमपी एमएलए कोर्ट मऊ के फैसले पर इलाहाबाद हाई कोर्ट ने रोक लगा दी है। आपको बता दें कि हेट स्पीच मामले में एमपी एमएलए कोर्ट मऊ की ओर से सुनाई गई दो साल की सजा पर रोक की मांग करते हुए दाखिल क्रिमिनल रिवीजन को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने स्वीकार कर लिया है। इस फैसले के चलते अब्बास अंसारी की विधायकी अब बहाल हो जाएगी। आईआर दर्ज हुई। इसमें सदर विधायक अब्बास अंसारी और अन्य को आरोपी बनाया गया। आरोप था कि तीन मार्च 22 को विधानसभा चुनाव के दौरान सदर विधानसभा सीट से सुभासपा के प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ रहे अब्बास अंसारी ने नगर क्षेत्र के पहाड़पुर मैदान में जनसभा के दौरान कहा कि जनपद मऊ के प्रशासन को चुनाव के बाद रोक कर हिसाब किताब करने व इसके बाद सबक सिखाने की धमकी मंच से दी गई थी।

अखिलेश बोले 2022 में जो नाम काटे गए उनके मृत्यु प्रमाण दिखाएं डीएम, शुरू हुई मऊ उपचुनाव की तैयारी

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि 2022 के विधानसभा चुनावों में जिन मतदाताओं के नाम काटे गए हैं उनके मृत्यु प्रमाण पत्र दिखाए जाने चाहिए। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी में 2022 के विधानसभा चुनावों में नाम काटने को लेकर हमने जो 18000 शपथपत्र दिए थे,

भाजपा सरकार उनमें से एक का भी जवाब सही तरीके से देना नहीं चाहती है। जिलाधिकारी को आगे करके चुनाव आयोग बच नहीं सकता। इस मामले की गहन जांच पड़ताल हो। डीएम दिखाएं कि नाम काटते समय जो मृत्यु प्रमाणपत्र लगाए गए थे वो कहां हैं। अगर ये झूठ नहीं है तो ये सफाई देने में इतने साल क्यों लग गए।

मऊ में उपचुनाव की तैयारी, मतदाता सूची के लिए कार्यक्रम जारी चुनाव आयोग ने मऊ विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए मतदाता सूची में संशोधन के लिए कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। यह सीट सुभासपा के विधायक अब्बास अंसारी को सजा होने से रिक्त हुई थी।आयोग ने इस क्षेत्र की मतदाता सूचियों में संशोधन के लिए विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम जारी कर दिया है। मतदाता सूचियों के प्रारूप का प्रकाशन 2 सितंबर को होगा। दावे और आपत्तियां 2-17 सितंबर के बीच ली जाएंगी। दावों और आपत्तियों पर निर्णय 25 सितंबर तक लिया जाएगा। अंतिम प्रकाशन 30 सितंबर को होगा।

उपराष्ट्रपति चुनाव; एनडीए को बहुमत पर भरोसा नहीं, इसलिए विपक्ष से कर रहे संपर्क, संजय राउत का बड़ा दावा

शिवसेना (उद्धव गुट) के नेता संजय राउत ने दावा किया है कि भाजपा नेतृत्व वाला एनडीए उपराष्ट्रपति चुनाव में अपनी संख्या को लेकर आश्वस्त नहीं है, इसलिए विपक्षी दलों से संपर्क कर रहा है। विपक्ष ने पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज बी. सुधर्शन रेड्डी को उम्मीदवार बनाया है, जबकि एनडीए ने सी.पी. राधाकृष्णन को उतारा है। राउत ने राधाकृष्णन के झारखंड के राज्यपाल कार्यकाल पर भी सवाल उठाए।शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट) के नेता संजय राउत ने बुधवार को बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि उपराष्ट्रपति चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले एनडीए को अपनी संख्याबल पर भरोसा नहीं है। इसी कारण एनडीए के नेता विपक्षी दलों से समर्थन मांग रहे हैं। राउत ने सवाल उठाया कि जब बहुमत आपके पास है, तो विपक्ष से समर्थन की जरूरत क्यों पड़ रही है।दिल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए राउत ने कहा कि विपक्षी गठबंधन का संख्याबल भी मामूली नहीं है। विपक्ष ने पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज बी. सुधर्शन रेड्डी को उम्मीदवार बनाया है, जबकि भाजपा की ओर से महाराष्ट्र के राज्यपाल रह चुके सी.पी. राधाकृष्णन को मैदान में उतारा गया है। राउत ने दावा किया कि भाजपा नेताओं ने कई विपक्षी दलों से आधिकारिक तौर पर संपर्क किया और वोट की अपील की।अगर बहुमत है तो संपर्क की जरूरत क्यों?' राउत ने सीधे सवाल उठाया कि अगर एनडीए को संसद में बहुमत का भरोसा है, तो विपक्षी नेताओं से संपर्क करने की मजबूरी क्यों पड़ी। उन्होंने कहा कि यह साफ संकेत है कि एनडीए की स्थिति उतनी मजबूत नहीं है जितनी दिखाने की कोशिश की जा रही है। राउत ने आरोप लगाया कि इस बार भी सत्ताधारी गठबंधन अपनी राजनीतिक ताकत दिखाने से पहले विपक्ष से संवाद करने में नाकाम रहा।राधाकृष्णन की उम्मीदवारी पर उठाए सवाल संजय राउत ने भाजपा के उम्मीदवार और पूर्व राज्यपाल राधाकृष्णन पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जब राधाकृष्णन झारखंड के राज्यपाल थे, तब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राजभवन से ही गिरफ्तार किया था। राउत के अनुसार यह पूरी कार्रवाई संवैधानिक परंपराओं के खिलाफ थी। उन्होंने आरोप लगाया कि राधाकृष्णन ने उस वक्त ईडी अधिकारियों को नहीं रोका और न ही संवैधानिक दायरे में अपनी भूमिका निभाई।हमारी लड़ाई तानाशाही के खिलाफ' राज्यसभा सांसद राउत ने कहा कि विपक्ष की लड़ाई केवल एक पद के लिए नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र बचाने की लड़ाई है। उन्होंने साफ कहा कि विपक्ष तानाशाही प्रवृत्ति और उसे समर्थन देने वाली ताकतों के खिलाफ खड़ा है। उपराष्ट्रपति चुनाव नौ सितंबर को होना है और इस चुनाव को लेकर सियासी माहौल गरमा गया है।

संपादकीय Editorial

The situation of impeachment

The situation of impeachment against Chief Election Commissioner Gyanesh Kumar… is certainly a frightening, challenging and unacceptable situation for the Constitution and democracy. Why should this situation arise in a constitutional system? Has the Chief Election Commissioner become physically and mentally incapacitated? Has his credibility and impartiality become decisively questionable or doubtful? Have the allegations of corruption or bias against the Chief Election Commissioner been legally proven and the court has given its verdict? The situation of impeachment is also biased in view of the politics of the opposition. The opposition's allegations of 'vote theft' are not enough to initiate the process of impeachment against the Chief Election Commissioner in Parliament. Impeachment against any constitutional institution or official in office is the culmination of disillusionment and rejection. Why should this situation arise? If only one side of the political leadership and representation starts talking about impeachment, then it is a feeling of prejudice against that constitutional institution or official. Certainly, there will be a sense of revenge in its background. Constitutional and parliamentary systems cannot run on the prejudices of one party. Some examples are in front of us. In April 2018, the opposition gave a motion of impeachment against the then Chief Justice Justice Deepak Mishra in the Rajya Sabha. The allegations were hollow, malicious and prejudiced, so on some such grounds, the then Chairman Venkaiah Naidu rejected that motion. Similarly, the Congress-led opposition gave a notice of impeachment against the then Vice President and Chairman Jagdeep Dhankhar in the Rajya Sabha itself. In the motion, he was termed biased that he does not give enough time to the opposition to present its side. However, that motion was also rejected on unavoidable grounds, but in this interval, whatever was written or said against these constitutional personalities in various formats of the media, mud was definitely thrown on their personality, who will compensate for that? Now it is the turn of the Chief Election Commissioner. He is being termed as an 'earthworm' on social media. Is this analogy appropriate? Although Article 324 (5) of the Constitution provides for the removal of the Chief Election Commissioner, the word 'impeachment' is not mentioned anywhere. There is a contradiction between the opposition and the Chief Election Commissioner on the issue of 'vote theft'. It is clear that the opposition's impeachment motion against the Chief Election Commissioner in Parliament is bound to fail, because the two-thirds majority is not in its favour and the ruling party will certainly protect the Chief Election Commissioner. President Draupadi Murmu appointed Gyanesh Kumar to the post of Chief Election Commissioner on the recommendation of the selection committee consisting of the Prime Minister and the Home Minister. Why will that party allow the impeachment to succeed? Despite this reality and in view of the politics of polarisation, a narrative has been started to spread that the opposition is discussing bringing an impeachment motion against the Chief Election Commissioner. Most of the parties in the opposition alliance are in favour of it. The case of 'vote theft' is currently in the Supreme Court and the next hearing is scheduled for August 22. According to the interim order of the court, the commission has made public the names of 65.64 lakh names deleted from the voter list on its websites. It is also being claimed that the 'reasons' for deletion of names have also been given. Now the commission has also started accepting 'Aadhaar Card'. Applications are being accepted with this card. The issue of privacy of voters is also.

India will progress if corruption stops, corrupt elements will have to be strictly controlled

It is still difficult to punish corrupt government officials and employees in our country. Punishing top level corrupt officials is a bit more difficult. Sometimes, even more than the leaders. It is true that they should get protection to a certain extent so that they can take decisions without any fear or pressure, but why should corrupt elements come under the purview of this shield? The important announcements made by the Prime Minister in his 103-minute long address from the ramparts of the Red Fort, which caught the attention of the country and the world, are still being discussed. This is happening because some announcements are going to transform the country. The announcements of bringing new era of economic reforms including comprehensive changes in GST, starting a new employment scheme, preparations for the Demography Mission, and schemes like the Sudarshan Chakra related to defense and Samudra Manthan related to energy security are such that if even half of them can be implemented, the country can be fortunate. Ever since Prime Minister Modi took charge, that is, from 2014, some points of his speeches given from the Red Fort are mentioned from time to time. Some such announcements also took the form of effective schemes, such as Swachh Bharat Abhiyan, construction of toilets, Ayushman Bharat Yojana, Krishi Samman Nidhi etc. The Prime Minister has also been saying something or the other against corruption. In 2024, he had clearly said, 'My fight against corruption will continue with honesty and action will definitely be taken against the corrupt. I want to create an environment of fear for them. I have to stop the tradition of looting the common citizens of the country.' Apart from this, before becoming the PM, he has also said that neither will I eat nor will I let others eat. Can it be said that an environment of fear has been created for the corrupt elements? The straight answer to this is - no. It is not right to just say that wherever there is any kind of construction in the government sector, there is corruption. It is also true that wherever there is any kind of government interference, there is a practice of taking and giving money. If the government machinery has to give any permission or approval or any kind of certification or renewal, then it is difficult to do it without loosening the purse strings. Many times, even legitimate works of people are not done without paying something and everyone knows that illegitimate works keep happening. The corruption prevailing in the government machinery has increased so much that it has entered the private sector as well. The corruption that is there in the appointments to lucrative posts in the government sector, in giving any work or contract or purchase, is somewhat similar in the private sector as well. Commission is everywhere. This is brokerage and bribery, but now it is also called convenience fee. On the basis of this, one should not reach the conclusion that the country is going down the drain or all the government officials and employees are corrupt. This is not so. India is a country of contradictions. We have dutiful officers and employees here and they also do their work properly. Some even listen to the complaints of the public over the phone and solve them, but it is very difficult to say that they are in majority in the bureaucracy. If this were so, today the scenario would have been different. Even then, it is the result of the dedication of the officers and employees that the functioning of some government departments has improved and become smooth. It has also benefited. If we have to give examples, then passport office, Employees Provident Fund Organization (EPFO) etc. can be given. Transparency has increased with improvement in the functioning of some departments of the state government as well. If the time taken in government work has reduced in some places, queues in some government offices have reduced or have ended and with time the income of the average people has increased and the country has become the fifth largest economy, then it means that something good has happened and is happening, but are we moving in the right speed and direction towards becoming a developed nation? A lot still needs to be done for us to catch the right speed and direction to achieve the goal of a developed country - by the central government, state governments and most importantly their bureaucracy as well. The nexus of corrupt politicians and bureaucrats has to be ended on priority basis. This nexus starts at the level of local bodies itself. If government salaries are increasing, then the strictness against corruption in the government system will also have to be increased. Corrupt elements should have a genuine fear of being punished, no matter how high a position they hold. There are talks of taking strict action against corruption, but the results are not as they should be. It is still difficult to punish corrupt government officials and employees in our country. It is even more difficult to punish top-level corrupt officials. Sometimes, even more than the leaders. It is true that they should get protection to a certain extent, so that they can take decisions without any fear or pressure, but why should corrupt elements come under the purview of this shield? Undoubtedly, no country, even countries with a population of millions, are completely free from corruption, but they can put an effective stop to corrupt practices. India, the country with the highest population, can also do this. Only when corruption is curbed, India will progress rapidly and realize the dream of a developed country.

Threats emanated from frustration, Pakistani army itself exposed its misdeeds on nuclear issue

Our policy makers will have to show seriousness and strictness on Pakistan's rhetoric otherwise Pakistan will try to fit America in the India-Pakistan nuclear equation. Operation Sindoor has taught New Delhi a new lesson that the way forward lies in accepting risks with political will and in increasing such capabilities that Pakistan pays the price for any of its misadventures. During his second US visit in a span of just a few months, Pakistan Army's Field Marshal General Asim Munir raised a controversy related to nuclear weapons in the Indian subcontinent. He threatened to target India's existing infrastructure and future important projects. His threat needs to be seen in the light of India's new strategy in which New Delhi has left behind the decades-old attitude and has made a new policy of strong retaliation by considering any incident of terrorism as an attack on the country. The objective of this policy is to expose Pakistan's misdeeds while ensuring support for India's military action in the domestic and international community in case of any misadventure by Pakistan. Munir's threat of using nuclear weapons is a similar rhetoric that is often made by Pakistan. It also becomes necessary to examine it on some aspects. It is no secret that Pakistan's elite class and army have mainly been protecting their existence by exploiting the sentiments against India. The Pakistani army remains the most important link controlling the narrative in the country and outside the country. Munir's rhetoric is an attempt to re-establish the image of the Pakistan Army that the army is capable of protecting Pakistan's sovereignty. As the senior-most officer of the Pakistani army, Munir's change in Pakistan's nuclear policy is an attempt to reiterate the threat being posed by himself. The basic intention behind this is linked to Munir's religious-ideological thinking, according to which India is seen as a Hindu country which is a threat to Pakistan. The threat of using nuclear weapons is an attempt to rebalance strategic stability with India. Ever since acquiring nuclear capability in 1998, Pakistan has been trying to put pressure on New Delhi through nuclear threats. In response to this, India has been taking more risks through its conventional military actions to increase deterrence and create new dimensions in the level of use of nuclear weapons. Pakistan is deliberately exaggerating the possibility of instability so that pressure can be created on New Delhi. Pakistan wants to establish the narrative that if India takes military action like “Operation Sindoor” again in the future, Pakistan will be forced to use (tactical) nuclear weapons. Whatever Pakistan wants to say, it still faces a big challenge to bear the risk of a nuclear attack and face India’s assured retaliation. Munir’s statements are aimed at reinforcing Pakistan’s concept of ‘mutual insecurity’ and reducing the possibility of India’s response, but this framework of Pakistan has already been broken to a large extent by India’s action and the latest example of this is Operation Sindoor against Pakistan. In such a scenario, the main responsibility of maintaining stability lies with Pakistan. The Pakistani army, which considers itself the guardian of the idea of Pakistan, has adopted an aggressive nuclear policy to counter India’s conventional superiority and military advantage. Munir’s anti-India nuclear bet and threat of mutual destruction is an attempt to bring the international community, including the US, into the picture so that India’s response and retaliation (deterrent) policy can be curbed. Deterrence always begins and ends in the realm of psychological strategy. Pakistan Pakistan's record shows that it tries to attract the attention of the international community by repeatedly threatening to use nuclear weapons against India. Pakistan deliberately maintains ambiguity and presents nuclear weapons as both a first-time use and a last-resort option. India took advantage of this contradiction to defeat it through Balakot and Operation Sindoor. Overall, Munir's words are a statement born out of frustration, which is part of Pakistan's excessive reliance on its ambiguous nuclear policy and the army's attempt to garner support for itself in domestic politics. There is every possibility that after Operation Sindoor, it will try to increase its military capability. It has already started such an effort - by announcing the formation of Rocket Force. According to US intelligence assessment, Pakistan is developing intercontinental ballistic missile capability to counter and challenge India's growing military capability. China, which has historically helped Pakistan in nuclear and missile technology, can help it in this. Pakistan's ultimate objective is to deny India the opportunity to establish a credible deterrence against Pakistan in a conventional nuclear scenario. In these circumstances, New Delhi should not hesitate to increase its nuclear and strategic non-nuclear capabilities. Our policymakers will have to show seriousness and strictness on Pakistan's rhetoric, otherwise Pakistan will face the threat of America. Operation Sindoor has taught New Delhi that the way forward lies in accepting risks with political will and building such capabilities so that Pakistan pays the price for any misadventure.

शहर से बाइकें चोरी करता नाबालिग.. साथी तलाशते थे ग्राहक, इस बार पुलिस के शिकंजे से बच नहीं पाए

पुलिस ने ऑटो लिफ्टर गैंग के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक नाबालिग है जो बाइक चोरी करता था। पुलिस ने इनके कब्जे से सात चोरी की बाइक बरामद की हैं।गलशहीद पुलिस ने ऑटो लिफ्टर गैंग के तीन सदस्य गिरफ्तार किए हैं। पुलिस ने इनसे सात बाइक बरामद की है। गिरोह में एक नाबालिग भी शामिल है। नाबालिग ही बाइक चोरी करता था और उसके साथी ग्राहक तलाशते थे। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने कबूला है कि उन्होंने यह बाइक जिले के अलग-अलग स्थानों से चोरी की थी। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि गलशहीद और कटघर थाने की संयुक्त ने सोमवार की रात मझोला के जयंतीपुर पुरानी आबादी निवासी नदीम उर्फ डॉक्टर, मीनानगर निवासी साकिब उर्फ भूरा और एक किशोर को गिरफ्तार किया। पुलिस ने जांच पड़ताल की तो इनकी बाइक चोरी की निकली। इसके बाद कड़ाई से पूछताछ की गई तो आरोपियों ने बताया कि रेकी करने के बाद किशोर से बाइक चोरी करवा लेते थे। इसके बाद बाइक छिपाकर ग्राहक की तलाश करते थे। ग्राहक मिलने पर बाइक कम दामों में बेच देते थे अगर ग्राहक नहीं मिलता तो बाइक के पार्ट्स अलग-अलग कर बेच देते थे। सात बाइक बरामद- आरोपियों की निशानदेही पर बरामद की गई कि सात बाइकों में तीन गलशहीद, दो कटघर, एक कोतवाली, एक मझोला क्षेत्र से चोरी की गई थी। मंगलवार की शाम पुलिस ने आरोपी किशोर को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश कर उसे राजकीय संप्रेक्षण गृह में भेज दिया गया है जबकि आरोपी नदीम उर्फ डॉक्टर और साकिब उर्फ भूरा को कोर्ट में पेश किया गया जहां से आरोपी जेल भेज दिए गए हैं।

चौबीस घंटे के भीतर दो सड़क हादसे, किशोर समेत तीन लोगों की जान गई, लखनऊ-दिल्ली हाईवे पर दुर्घटना

मुरादाबाद- मुरादाबाद में हुए सड़क हादसों में तीन लोगों की जान चली गई। पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिए हैं। आरोपी चालकों की तलाश जारी है। लखनऊ-दिल्ली हाईवे पर मनकरा मोड़ के पास सोमवार शाम हुए हादसे में घायल मौसी रोशनी ने भी दम तोड़ दिया जबकि बाइक चला रहे 14 वर्षीय किशोर की मौके पर ही मौत हो गई थी। मूंढापांडे निवासी रिंकू दिल्ली में नौकरी करते हैं। रिंकू के ससुर रामपुर जिले के ज्वाला नगर निवासी गंगाराम और सास की दो साल पहले बीमारी से मौत हो गई।इसके बाद वह 17 वर्षीय साली रोशनी को अपने साथ घर ले आए थे। सोमवार की शाम छह बजे रोशनी आठवीं कक्षा में पढ़ने वाले अपने भांजे देव के साथ मिलक मनकरा में बहन गीता के घर जा रही थी। मूंढापांडे थानाक्षेत्र में मनकरा मोड के पास किसी वाहन ने इनकी बाइक में टक्कर मारी दी।इस हादसे में देव की मौके पर ही मौत हो गई जबकि रोशनी गंभीर घायल हो गई थी। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां उपचार के दौरान रोशनी ने भी दम तोड़ दिया था। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम कराने के बाद दोनों के शव परिजनों को सौंप दिए गए हैं। तहरीर के आधार पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज किया जा रहा है। सड़क हादसे में बेटी की गई जान, पिता घायल पाकबड़ा-अगवानपुर बाईपास पर मंगलवार शाम ट्रक ने बाइक में सीधे टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार 24 वर्षीय मेहरीन जहां की मौके पर ही मौत हो गई और उसके पिता दिलशाद गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से भाग गया। कोकरपुर गांव निवासी दिलशाद अपनी बाइक से बेटी मेहरीन जहां के साथ पाकबड़ा से घर लौट रहे थे। शाम करीब साढ़े सात बजे जब वह पाकबड़ा-अगवानपुर बाईपास पर पेट्रोल पंप के पास पहुंचे। इसी दौरान सामने से आ रहे ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मेहरीन जहां की मौके पर ही मौत हो गई। पिता दिलशाद गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर भाग गया। थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि इस हादसे में एक युवती की मौत हुई है और उसके पिता घायल हुए हैं। ट्रक को कब्जे में ले लिया है। ट्रक चालक की तलाश की जा रही है।

रात में मकान के तोड़े ताले, जज के स्टेनो के घर से दस लाख की चोरी, नकदी-जेवर और कीमती सामान ले उड़े

मुरादाबाद- कुंदरकी थाना क्षेत्र के ग्राम सीलपुर में चोरों ने देवरिया जिला जज के स्टेनो राजेश कुमार के घर का ताला तोड़कर करीब दस लाख रुपये के सोने-चांदी के आभूषण, नकदी, कपड़े और तांबे-पीतल के बर्तन चोरी कर लिए। राजेश 15 अगस्त की रात घर में एक कमरे में सो रहे थे, तभी चोर दो छोटे बॉक्स और भारी बर्तन उठा ले गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कुंदरकी के गांव में स्थित देवरिया जिला जज के स्टेनो राजेश कुमार के मकान के ताले तोड़कर चोर सोने-चांदी के आभूषण समेत दस लाख का समाान चोरी कर ले गए। पुलिस ने घटना की रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। कुंदरकी थाना क्षेत्र के ग्राम सीलपुर निवासी राजेश कुमार वर्तमान में देवरिया जिला जज के स्टेनो के पद पर कार्यरत हैं।इन दिनों राजेश छुट्टी लेकर अपने गृहग्राम सीलपुर में पैतृक आवास पर आए हैं। राजेश कुमार के अनुसार 15 अगस्त की रात वह अपने मकान के दरवाजे में ताला लगाकर एक कमरे में सो रहे थे। देर रात चोर दरवाजे का ताला तोड़कर मकान के अंदर घुस आए।कमरे में रखे छोटे बॉक्स में कुछ साड़ियां, आठ तोला सोना, 500 ग्राम चांदी, शादी का लहंगा और अन्य कुछ कपड़े थे। दूसरे छोटे बॉक्स में दो तोला सोना, 50 हजार और कुछ साड़ियां थीं। बड़े बॉक्स में तांबे और पीतल के बर्तन थे जिनका वजन करीब 80 किलोग्राम था। छोटे दो बॉक्सों को चोर अपने साथ ले गए तथा बड़े बॉक्स से तांबे पीतल के बर्तन भी ले गए। 16 अगस्त की सुबह चोरी की घटना का पता चल सका तो चोर सभी तरह से सामान ले जा चुके थे, जब पड़ोस के खेत में जाकर देखा तो छोटा बॉक्स पड़ा मिला जिसको सभी सामान गायब था। सूचना पर पुलिस ने मौका मुआयना किया। पुलिस ने केस दर्ज कर विवेचना कर रही है। उन्होंने बताया कि घटना के चार दिन बीत चुके हैं लेकिन पुलिस खुलासा नहीं कर पाई है।

सराफ से लगवाया सट्टा.. 1.11 करोड़ का सोना हड़पा, भाजपा नेता समेत तीन लोगों पर केस, महिला को दी धमकी

मुरादाबाद में एमसीएक्स डिब्बा ट्रेडिंग के नाम पर सट्टा लगवाने वाले गिरोह पर केस दर्ज हुआ है। सराफ परिवार ने आरोप लगाया कि भाजपा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष समेत तीन आरोपियों ने उनके परिवार से 1.23 किलोग्राम सोना और 562 चांदी के सिक्के हड़प लिए है। पुलिस ने सराफ के भाई की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।मुरादाबाद में आईपीएल की तर्ज पर एमसीएक्स में सट्टा लगवाने वाले गिरोह के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। आरोप है कि सराफ से पहले एमसीएक्स में सट्टा लगवाया फिर उनसे और उनके परिवार से 1.23 किलोग्राम सोना (करीब 1.11 करोड़ रुपये) और 562 चांदी के सिक्के हड़प लिए। कोतवाली पुलिस ने सराफ के भाई की तहरीर पर भाजपा युवा मोर्चा दीवान का बाजार के मंडल अध्यक्ष अर्पित भटनागर उर्फ विभोर भटनागर समेत तीन लोगों पर केस दर्ज किया है। कोतवाली के चौराहा गली निवासी सराफ नीरज रस्तोगी ने कोतवाली में मुगलपुरा के मोहल्ला कानून गोयान निवासी दीपक रस्तोगी, नागफनी के दीवान का बाजार निवासी विभोर भटनागर और कोतवाली के मंडी बांस मोहल्ला जिलाल स्ट्रीट निवासी रूपेश बंसल के खिलाफ केस दर्ज कराया है। उन्होंने बताया है कि वह दीनदयाल नगर निवासी अपने भाई कपिल रस्तोगी के साथ एनकेएस ज्वैलर्स प्रा. लिमिटेड नाम से सोने-चांदी के जेवर की दुकान चलाते हैं। नीरज ने आरोप लगाया कि तीनों आरोपी एमसीएक्स डिब्बा ट्रेडिंग का गिरोह चलाते हैं। एमसीएक्स में सट्टा लगवाकर फंसा लिया नीरज का कहना है कि तीनों ने उनके भाई कपिल रस्तोगी से एमसीएक्स में सट्टा लगवाकर फंसा लिया। आरोपियों ने कपिल को आर्थिक नुकसान पहुंचाया। आए दिन आरोपी उसके भाई को रास्ते में घेरकर धमकाते और उसे रकम की मांग करते थे। आरोप है कि उससे सोने-चांदी के जेवर लेते रहे। पीड़ित इनकी बात नहीं मानता तो हत्या करने की धमकी देते थे। कपिल ने परिवार की बिना जानकारी के दुकान के गहने दे दिए। विभोर ने धोखे से हमारे परिवार के 627 ग्राम सोने के जेवर और 562 चांदी के सिक्के ले लिए। 1.23 किलोग्राम सोने के जेवर और 562 चांदी के सिक्के हड़प नीरज का कहना है कि उन्होंने 12 फरवरी 2025 को विभोर को 412 ग्राम सोने के जेवर बेचे थे जिसका करीब 35 लाख रुपये का भुगतान विभोर ने नहीं किया। कपिल ने इसकी जानकारी अपने भाई नीरज को नहीं दी। इसके अलावा आरोपी विभोर ने नीरज की पत्नी से भी 200 ग्राम सोने के जेवर हड़प लिए। नीरज का कहना है कि तीनों अब तक उनके परिवार से 1.23 किलोग्राम सोने के जेवर और 562 चांदी के सिक्के हड़प चुके है। वापस मांगने पर आरोपी धमकियां दे रहे हैं। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज किया गया है। विवेचना में जो भी तथ्य सामने आएंगे। उसी आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। दोनों चेक बाउंस हुए कपिल रस्तोगी ने मुझे 15-15 लाख रुपये के दो चेक किए थे। दोनों चेक बाउंस हो गए हैं। कोर्ट में यह मामला चल रहा है। इससे बेचने के लिए दोनों भाइयों ने मिलकर मेरे खिलाफ झूठा केस दर्ज कराया है। इससे पहले भी दोनों भाई मेरे खिलाफ शिकायत कर चुके हैं। हर जगह से जांच हो चुकी है। जांच में मेरे ऊपर लगाए गए आरोप साबित नहीं हुए हैं। पुलिस इस मामले की जांच करेगी को सच सामने आ जाएगा। - विभोर भटनागर, मंडल अध्यक्ष, दीवान का बाजार, भाजयुमो चेक में रकम भरने का आरोप सराफ नीरज रस्तोगी ने दर्ज कराए केस में बताया कि विभोर भटनागर ने सिक्योरिटी के तौर पर दो ब्लैंक चेक लिए थे। आरोप है कि विभोर ने इन चेकों पर 15-15 लाख की राशि भरकर बैंक में लगाकर हमें झूठा साबित करने की कोशिश की जबकि कपिल पर विभोर के केवल डेढ़ लाख रुपये थे जिसका पूरा भुगतान कर दिया गया था। चार दिन के लिए गायब हो गए थे कपिल रस्तोगी नीरज ने बताया कि लगातार उत्पीड़न और दबाव के कारण 17 मार्च 2025 को कपिल लापता हो गए थे। चार दिन बाद वह घर आए थे। इस मामले में मुगलपुरा थाने में गुमशुदगी भी दर्ज की गई थी। घर लौटने पर कपिल ने अपने परिवार को बताया था कि वह तीन लोगों के उत्पीड़न से परेशान होकर गायब हुए थे। ऑडियो रिकॉर्डिंग वायरल करने की धमकी मुरादाबाद कोतवाली में दर्ज किए गए केस में नीरज रस्तोगी ने दावा किया है कि 17 मार्च 2025 को विभोर ने उनकी पत्नी को ऑडियो रिकॉर्डिंग सोशल मीडिया पर वायरल करने और बदनाम करने की धमकी दी। इससे पहले आरोपी उनकी पत्नी से 200 ग्राम के जेवर भी हड़प चुका है। मुख्यमंत्री दरबार तक पहुंचे दोनों भाई नीरज और उनके भाई कपिल ने बताया कि उन्होंने इस मामले को लेकर पिछले चार माह से थाने चौकी के चक्कर लगा रहे थे लेकिन सुनवाई नहीं हो पा रही थी। नीरज का दावा है कि वह चार बार लखनऊ में पहुंचे और उन्होंने मुख्यमंत्री दरबार में भी प्रार्थनापत्र दिया। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई की है।

संक्षिप्त समाचार

श्रम विभाग विकासखंड वार चिन्हित ग्रामों में लगाएगा कैंप, विभिन्न योजनाओं में पात्र लाभार्थियों का होगा चयन

उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के लिए संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं से अधिकतम पात्र श्रमिक परिवारों को आच्छादित करने के उद्देश्य से श्रम विभाग द्वारा निर्धारित रोस्टर के अनुसार कैंप का आयोजन कराया जा रहा है। सहायक श्रमायुक्त मुरादाबाद श्री अजीत कुमार कनौजिया ने बताया कि कैंप आयोजन के संबंध में श्रम प्रवर्तन अधिकारी श्री दुष्यंत सिंह और श्री केपी सिंह को नोडल अधिकारी बनाया गया है। उन्होंने बताया कि 20 अगस्त को विकासखंड डिलारी के ग्राम करनपुर में कैंप आयोजित होगा। इसी प्रकार 21 अगस्त को विकासखंड मुरादाबाद के ग्राम गनीमत नगर, 22 अगस्त को विकासखंड मूढ़ापांडे के ग्राम भदासना, 26 अगस्त को विकासखंड मुरादाबाद के अक्का भीकनपुर, 27 अगस्त को विकासखंड मुरादाबाद के भोला सिंह की मिलक, 28 अगस्त को विकासखंड कुंदरकी के नानपुर और 29 अगस्त को विकासखंड भगतपुर के नेकपुर में कैंप आयोजित होगा। इन कैंपों में मातृ शिशु हितलाभ एवं बालिका मदद योजना, संत रविदास शिक्षा प्रोत्साहन योजना, कन्या विवाह सहायता योजना, निर्माण कामगार मृत्यु व दिव्यांगता सहायता योजना, महात्मा गांधी पेंशन योजना, निर्माण कामगार गंभीर बीमारी सहायता योजना और अटल आवासीय विद्यालय योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को चिन्हित किया जाएगा। राजकीय फल संरक्षण एवं प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा विकासखंड मूढ़ापांडे के ग्राम वीरपुर में दो दिवसीय खाद्य प्रसंस्करण प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुआ। प्रभारी, राजकीय फल संरक्षण केंद्र मुरादाबाद श्री सौरभ सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षार्थियों को विभागीय योजना के लाभ के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई तथा खाद्य पदार्थो के प्रसंस्करण की अत्याधुनिक तकनीक के बारे में प्रशिक्षित किया गया। कार्यक्रम के समापन के दौरान प्रधानाचार्य राजकीय खाद्य विज्ञान एवं प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा प्रशिक्षार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गये। कार्यक्रम में श्री हुकम सिंह राणा, श्री ब्रजपाल सिंह एवं विषय विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

अब मुस्लिम बैंड वाले फंसे नाम के फेर में... हटाने होंगे हिंदू देवी-देवताओं के नाम, पुलिस ने दिया ये फरमान

मुरादाबाद- मुस्लिम बैंडबाजे वालों को हिंदू देवी-देवताओं के नाम हटाने होंगे। ढाबे और रेस्टोरेंट के बाद अब बैंडबाजे पर भी अपनी पहचान दर्शानी होगी। सीएम पोर्टल पर शिकायत के बाद मुरादाबाद पुलिस हरकत में आई है। मुरादाबाद में ढाबे, रेस्टोरेंट के बाद अब मुस्लिमों द्वारा हिंदू देवी-देवताओं के नाम पर बैंडबाजों का संचालन करने पर आपत्ति दर्ज कराई गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक इस मामले की शिकायत पहुंची तो जिले की पुलिस हरकत में आ गई। मंगलवार को एसपी सिटी ने बैंडबाजा संचालकों को तलब कर लिया। मुस्लिम संचालकों से कहा गया है कि वह बैंडबाजे के नाम बदल लें। इस पर सभी संचालकों ने नाम बदलने का आश्वासन दिया है।पाकबड़ा निवासी अधिवक्ता शेबी शर्मा ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई है जिसमें उन्होंने कहा कि विशेष समुदाय के लोग बैंडबाजे का व्यवसाय कर रहे हैं लेकिन यह लोग देवी-देवताओं के नाम पर बैंडबाजे का संचालन कर रहे है। इससे धार्मिक भावनाएं आहत हो रही हैं। उन्होंने तुरंत नाम हटवाने की मांग की है। मुख्यमंत्री तक शिकायत पहुंची तो जिले का पुलिस प्रशासन हरकत में आ गया। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बैंडबाजों के संचालकों को मंगलवार की दोपहर अपने कार्यालय में बुला लिया। तुरंत हटाएं बैंडबाजे से हिंदू देवी-देवताओं के नाम उन्होंने बैठक में सभी को निर्देश दिए कि वह अपने बैंडबाजे से हिंदू देवी-देवताओं के नाम तुरंत हटाएं। बैंडबाजा संचालकों ने भी हिंदू देवी-देवताओं के नाम बैंड से हटाने का आश्वासन दिया। मंगलवार को सभी को बुलाकर निर्देश दिए गए हैं कि वह देवी-देवताओं के नाम हटा लें। सभी ने नाम हटवाने की बात कही है।- कुमार रणविजय सिंह, एसपी सिटी कांवड़ यात्रा के दौरान उठा था ढाबों-रेस्टोरेंट के नाम का मुद्दा कांवड़ यात्रा के दौरान होटल-ढाबों के नाम चर्चा में आए थे। इसमें ढाबा संचालक मुस्लिम थे लेकिन उनके ढाबों के नाम हिंदू थे। मुरादाबाद में हाईवे पर एक ढाबे के नाम को लेकर विवाद भी हुआ था।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0ए च0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

वार्ड 13 शांति विहार मढ़ीनाथ की टंकियों में पानी आना बंद जनता परेशान

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली ⁼ नगर निगम की बड़ी लापरवाही के चलते वार्ड नंबर 13 शांति विहार की टंकियों में पिछले एक महीने से पानी की आपूर्ति ठप पड़ी हुई है। इस वजह से क्षेत्रवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोग मजबूर होकर पानी खरीदने या दूर-दराज से लाने को विवश हैं। इस समस्या को लेकर जब हमारे स्थानीय वरिष्ठ पत्रकार पं सत्यम शर्मा ने अवर अभियंता से फोन पर बात करने का प्रयास किया, तो उन्होंने फोन तक नहीं उठाया। जिम्मेदार अधिकारियों की यह उदासीनता क्षेत्रवासियों में आक्रोश का कारण बन रही है। निवासियों का कहना है कि यदि जल्द ही समस्या का समाधान नहीं किया गया तो वे नगर निगम कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन करेंगे। इस संबंध में क्षेत्रीय पार्षद श्याम सिंह चौहान और अवर अभियंता जल निगम से शिकायत भी की गई है। शिकायत करने वालों में अधिवक्ता शिवओम पाठक, वरिष्ठ पत्रकार सुमित शर्मा, पत्रकार पंकज शर्मा, पं सत्यम शर्मा, श्रीपाल सिंह और उमेश गिरी , वीरपाल सिंह यादव , आदि शामिल रहे।

डॉक्टर ने पार्टनर से की धोखाधड़ी, 43.50 लाख रुपये हड़पने का आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। कोतवाली क्षेत्र स्थित गोपाल दत्ता अस्पताल के मालिक डॉक्टर और उनकी पत्नी पर पार्टनर डॉक्टर ने धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। पार्टनर के मुताबिक डॉक्टर और उनकी पत्नी ने 43 लाख 50 हजार रुपये खाते से निकालकर हड़प लिए हैं। कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बिजनेश रेजीडेंसी निवासी डॉक्टर कमल शर्मा ने बताया कि वह फिजियोथेरेपिस्ट डॉक्टर हैं। कमल के मुताबिक वह और भटनागर कॉलोनी निवासी मीनाक्षी दत्ता मीनाक्षी मेडिकोज फर्म में पार्टनर हैं। फर्म की पचास प्रतिशत हिस्सेदारी डॉक्टर मीनाक्षी दत्ता के पास है। फर्म के दो अलग अलग खाते भी खुले हुए हैं। फर्म के खातों का इस्तेमाल व्यापारिक लेनदेन में किया जाता है।

लखीमपुर खीरी में नेपाल सीमा पर मिली अर्चना तिवारी, भोपाल जीआरपी ले गई अपने साथ

मध्य प्रदेश के कटनी निवासी अर्चना तिवारी रक्षाबंधन से पहले से लापता थी। उसकी तलाश में भोपाल जीआरपी ने तीन दिन से पलिया में डेरा डाल रखा था। स्थानीय पुलिस के सहयोग से अर्चना तिवारी को तलाश कर लिया गया है। मध्यप्रदेश में इंदौर से कटनी जाते समय नर्मदा एक्सप्रेस के बी-3 कोच से रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के पास लापता हुई अर्चना तिवारी को लखीमपुर खीरी जिले में नेपाल सीमा पर तलाश कर लिया गया। उसकी बरामदगी होने के बाद गौरीफंटा सीमा होते हुए भोपाल जीआरपी अपने साथ लेकर गई है। अर्चना तिवारी सात अगस्त को ट्रेन से यात्रा करने के दौरान लापता हो गई थी, जिसके बाद अभियान चलाकर भोपाल जीआरपी उनकी तलाश कर रही थीं।अर्चना तिवारी की तलाश में भोपाल रेलवे पुलिस ने कई जगह अभियान चला रखा था। एसटीएफ व साइबर टीम भी लगी हुई थी। करीब 13 दिनों के बाद आखिरकार उनकी लोकेशन नेपाल सीमा के पास मिली। बताया जाता है कि बीते तीन दिनों से भोपाल जीआरपी की टीम पलियाकलां में डेरा डाले हुई थी। अपने साधनों के जरिए पलिया पुलिस के सहयोग से अर्चना तिवारी का सुराग लगाने का प्रयास कर रही थी।पलिया पुलिस के सहयोग से मिली सफलता अर्चना तिवारी की बरामदगी में लगी टीमों ने सीओ पलिया यादवेंद्र यादव से संपर्क किया था। पलिया पुलिस के सहयोग से मंगलवार की देर शाम अर्चना को तलाश कर लिया गया। अर्चना को भोपाल जीआरपी अपने साथ लेकर गई है। इस बारे में सीओ यादवेंद्र यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश पुलिस ने अपने संपर्क के जरिए युवती को तलाश किया और पलिया पुलिस के सहयोग से युवती को बरामद किया गया है। जिनको पुलिस अपने साथ लेकर भोपाल चली गई है।

उमड़ा लाखों अकीदतमंदो का जनसैलाब

मुल्क-ए-हिंदुस्तान समेत दुनियाभर में अमन ओ सुकून की दुआ से हुआ उर्से रजवी कुल

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा बरेली। 107 वे उर्से रज़वी के आखिरी दिन आला हज़रत फ़ाज़िले बरेलवी के कुल शरीफ की रस्म देश-विदेश के लाखों अकीदतमंदो, उलेमा,सज्जादगान की मौजूदगी में अदा की गई। इस मौके विश्व के नामचीन उलेमा ने दुनियाभर के मुसलमानों के नाम खास पैगाम जारी किया गया। दो बजकर अड़तीस मिनट पर कुल शरीफ के रस्म बाद तीन रोज़ा उर्स का समापन हो गया। सज्जादानशीन मुफ्ती अहसन मियां ने मुल्क-ए-हिंदुस्तान समेत दुनियाभर में अमन-ओ-सुकून व खुशहाली की खुसूसी दुआ की। आज की महफ़िल का आगाज़ दरगाह प्रमुख हज़रत मौलाना सुब्हान रज़ा खान (सुब्हानी मियां) की सरपरस्ती,सज्जादानशीन मुफ्ती अहसन रज़ा क़ादरी(अहसन मियां) की सदारत व सय्यद आसिफ मियां देखरेख में हुआ। मुफ्ती जईम रज़ा ने कुरान की तिलावत की। हाजी गुलाम सुब्हानी व आसिम नूरी ने मिलाद का नज़राना पढ़ी। इसके

बाद नबीरे आला हज़रत सुल्तान रज़ा खान,अल्हाज शोएब रज़ा खान,सय्यद सैफी मियां,कारी रज़ा ए रसूल,महशर बरेलवी ने नात-ओ मनकबत का नज़राना पेश किया। मारहरा शरीफ के सज्जादानशीन हज़रत मौलाना नज़ीब हैदर(नज़ीब मियां) नबीरे आला हज़रत अल्लामा तौसीफ रज़ा खा(तौसीफ मियां),मौलाना सय्यद सैफ मियां, मुफ्ती अर्सलान रज़ा खान ने कहा कि मसलक आला हज़रत ही मसलक अहले हक है। अहले हक ही जन्नती है। मिस्र,तुर्की,शाम,जॉर्डन,अफ्रीका, अमेरिका के मुसलमानों का अकीदा भी मसलक ए अहले सुन्नत और मसलक ए आला से बावस्ता है। बरेलवी कोई फिरका नहीं बल्कि ये पैग़म्बर ए इस्लाम का मिशन,शिक्षा और तालीमात का नाम मसलक ए आला हज़रत है। इन लोगों ने कहा कि जो लोग नबी की शान में गुस्ताखी कर रहे है वो काफिर है। मुफ्ती सलमान अजहरी ने अपनी तकरीर शुरू करते हुए कहा कि आला हज़रत के आप भी दीवाने और मैं भी दीवाना हूं। इस वक्त आप लोग अपनी दीवानगी पर काबू रखते हुए मसलक ए आला हज़रत की तालीमात पर अमल करते हुए इस मिशन को दुनिया भर तक पहुंचाये। मीडिया प्रभारी नासिर कुरैशी ने बताया कि देश विदेश के उलेमा नेक तक़रीर का सिलसिला शुरू करते हुए मुफ्ती सलीम नूरी बरेलवी ने अपने खिताब में कहा कि मौजूदा दौर में विश्व में शांति स्थापित सुन्नी सूफी खानकाही विचार धारा से की जा सकती है। हमारा मुल्क विश्व का सबसे शांतिपूर्ण देश है यहां नफरतों को कोई जगह नहीं। हमारा मुल्क एक खूबसूरत गुलदस्ता है जिसके फूल हिन्दू, मुस्लिम,सिख और ईसाई है। हम सब को मुल्क की तरक्की के लिए मिलकर काम करना होगा।

श्री हरि मंदिर बरेली के 65 वे वार्षिक महोत्सव में अंतर्गत श्रीमद भागवत का आयोजन किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। श्री हरि मंदिर मॉडल टाउन, बरेली के 65 वा विराट भक्ति वार्षिक महोत्सव के अंतर्गत श्रीमद भागवत कथा के द्वितीय दिवस विद्वान ब्राह्मणों द्वारा सर्वप्रथम नवग्रह और श्रीमद भागवत जी का विधिवत पूजन किया गया तत्पश्चात महाराज जी ने कथा का सुगम पद है श्रीमद् भागवत, अन्यय अनुराग समर्पित हो जाता करने वाला महा ग्रंथ है। श्रीमद् भगवान के बन चुके हैं अथवा सिखाया है उन्हें उस भागवत कहा कृष्ण महाराज ने अपने उदगार ही सबसे प्यारा है। अधिकार प्रेम

श्रवण कराते हुए कहा कि विशुद्ध भक्ति जहां भगवान के श्री चरणों में जीव का है। भक्ति के साथ ज्ञान बैराग की पूर्ति भागवत भागवत का अभिप्राय जो जिन भक्तों ने हमें भगवान से प्रेम करना जाता है। भागवत भूषण पूज्य अतुल व्यक्त करते हुए कहा कि प्रभु का सहारा में होता है भक्त का भगवान से,भगवान का भक्त से, भक्ति का भगवान से समर्पण कर देता है, भगवान को अपना सहारा बना लेता है तो आनंद की अनुभूति कराता है ।,श्यामा प्यारी हमारी सरकार हमें डर काहे का ठाकुर हमरे रमण बिहारी हमें है रमण बिहारी के, संसार के बनोगे तो दुख सुख रहेंगे और भगवान को मानोगे तो दुख सुख में कोई अंतर नहीं रहेगा । भगवान के चरणों की अनुभूति ही कल्याणकारी है श्रीमद्भागवत कथा 24 अगस्त तक प्रतिदिन शाम 6 बजे से 10 बजे तक होगी।आप सभी सादर सपरिवार आमंत्रित हैं। आज के कार्यक्रम में मंदिर कमेटी के अध्यक्ष सुशील अरोड़ा, सचिव रवि छाबड़ा ,अश्विनी ओबेरॉय, संजय आनंद, गोविंद तनेजा, अतुल कपूर, गिरीश आनन्द,सतेंद्र कुमार,धीरज सेठी,राजेश अरोरा कथा के यजमान सुप्रिया अंकित अग्रवाल, शुभ अनुज अग्रवाल शीशगढ़ वाले आदि उपस्थित रहे । महिला सेवा समिति की अध्यक्ष रेनू छाबड़ा, कंचन अरोड़ा, नीलम साहनी, नेहा आनंद, नीलम लुनियाल, सीमा तनेजा, संगीता लूथरा,अलका छाबड़ा आदि उपस्थित रही और भागवत जी की आरती उतारी गई।

ईमानदार चोर की अनोखी मांग भैंस के लिए सीएम योगी तक पहुंची फरियाद

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत उत्तर प्रदेश सरकार ने जनता की समस्याओं को जल्दी निपटाने के लिए IGRS (Integrated Grievance Redressal System) पोर्टल की शुरुआत की थी। इस पोर्टल का उद्देश्य था कि लोग अपनी शिकायतें ऑनलाइन दर्ज कर सकें और संबंधित विभाग समय पर कार्रवाई कर समाधान दें। लेकिन अब इस पोर्टल पर कुछ यूजर्स की अजीबोगरीब फरमाइशों ने असली शिकायत करने वालों की परेशानी बढ़ा दी है?। पोर्टल पर जहां बिजली, पानी, सड़क, पुलिस और राजस्व विभाग से जुड़ी गंभीर शिकायतें आती हैं, वहीं कई लोग इसे मनोरंजन और मजाक का जरिया बना बैठे हैं?। किसी ने नौकरी दिलाने की मांग कर दी, तो किसी ने नेता-मंत्री तक से मिलाने का आग्रह कर दिया। कई मामलों में तो लोगों ने अपनी पारिवारिक और निजी विवादों को भी पोर्टल पर डालकर अधिकारियों को उलझा दिया। ठीक ऐसा ही मामला पीलीभीत से भी सामने आया है?। पीलीभीत एक युवक ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से एक अनोखी मांग कर डाली है जिसे पूरा करने के लिए अधिकारी भी हैरत में पड़ गए हैं। पीलीभीत जिले के दुधियाखुर्द इलाके के रहने वाले विपिन कुमार ने यूपी सरकार के ऊर्जा विभाग से ट्वीट के माध्यम से अजब मांग कर डाली है। युवक ने अपनी शिकायत में लिखा है कि वह अपनी भैंस घर से कुछ दूरी पर बांधता है। वहीं इस भरी गर्मी में दिन में मक्खी और रात में मच्छर उसकी भैंस को परेशान करते हैं। ऐसे में अपनी भैंस की सुविधा के लिए वह कटिया डाल कर बिजली चोरी करने की अनुमति चाहता है। इतना ही नहीं यह ईमानदार चोर इसके एवज में सरकार को 200 रुपए प्रतिमाह चुकाने को भी तैयार है। युवक का कहना है कि वह महज़ दो महीने के लिए बिजली चोरी करना चाहता है। युवक ने अपनी शिकायत में यह भी कहा है कि जब सरकार बड़े किसानों को मुफ्त में मोटर चलाने के लिए बिजली दे सकती है तो वह अपनी भैंस के लिए बिजली चोरी क्यों नहीं कर सकता??। जैसे ही यह शिकायत विभाग के पास पहुंची तो अधिकारी भी चक्कर में पड़ गए हैं कि विपिन कुमार की शिकायत का निस्तारण कैसे किया जाए। विपिन कुमार ने ऊर्जा मंत्री पोर्टल पर एक विचित्र आवेदन दर्ज कराया है। विपिन ने आवेदन में लिखा कि उनकी भैंस दिन में मक्खियों और रात में मच्छरों से परेशान रहती है। इस समस्या से निजात पाने के लिए वह भैंस के लिए पंखा चलाना चाहते हैं। उन्होंने पंखा चलाने के लिए बिजली चोरी की अनुमति मांगी है। साथ ही प्रतिमाह 200 रुपए देने की बात कही है। विपिन का तर्क है कि जब सरकार किसानों को बड़ी मोटरें मुफ्त में चलाने की सुविधा देती है, तो पशुपालकों को भी भैंस के लिए एक पंखा मुफ्त चलाने की अनुमति मिलनी चाहिए। बुधवार को सोशल मीडिया पर अपलोड होते ही यह आवेदन वायरल हो गया। ग्रामीणों का कहना है कि यह आवेदन प्रशासन को जगाने का प्रयास है। गांवों में मच्छरों और मक्खियों की समस्या लगातार बढ़ रही है। ग्राम प्रधान सफाई और कीटनाशक छिड़काव के नाम पर धन खर्च करते हैं। लेकिन वास्तविक काम नहीं होता। अगर समय पर सफाई और छिड़काव हो तो ऐसी नौबत न आए।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

पुलिस ने मानसिक मंदित युवक को रेस्क्यू कर पहुंचाया मनोसमर्पण संस्थान

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। पुलिस की तत्परता और सूझबूझ से एक मानसिक मंदित युवक को सुरक्षित संरक्षण मिला। मामला 18 अगस्त 2025 का है, जब बरेली के भरतौल गांव में एक मानसिक मंदित युवक भटक कर पहुंच गया। ग्रामीणों ने उसे संदिग्ध मानकर पकड़ लिया और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पीआरवी टीम ने युवक को रेस्क्यू कर नकटिया पुलिस चौकी के सुपुर्द कर दिया। पुलिस द्वारा पूछताछ करने पर युवक अपने बारे में कोई जानकारी नहीं दे सका और मानसिक रूप से मंदित प्रतीत हो रहा था। कैंट थाना प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि युवक की स्थिति को देखते हुए उसे मनोसमर्पण सेवा संस्थान भेज दिया गया, ताकि उसकी उचित देखभाल, उपचार और पुनर्वास सुनिश्चित हो सके। मनोसमर्पण संस्थान के संस्थापक एवं साइकोलॉजिस्ट शैलेश शर्मा ने बताया कि युवक को संस्थान में दाखिल कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि यदि किसी को ऐसा कोई मानसिक मंदित व्यक्ति भटकता मिले तो उसे मनोसमर्पण सेवा संस्थान में लाने में सहयोग करें, ताकि उसका जीवन सुरक्षित और सम्मानजनक बन सके।

कृषि विभाग में स्थापित कन्ट्रोल रूम का मोबाइल नम्बर हुआ संशोधित

क्यूँ न लिखूँ सच / भूपेन्द्र तिवारी / बहराइच। जनपद मे कृषकों को सुगमतापूर्वक तथा गुणवत्तायुक्त उर्वरक निर्धारित दरों पर उपलब्ध कराने हेतु जिला कृषि अधिकारी, बहराइच के कार्यालय मे स्थापित कन्ट्रोल रूम का संशोधित मोबाइल नम्बर 9918473381 व 8423270566 है। यह जानकारी देते हुए जिला कृषि अधिकारी डॉ. सूबेदार यादव ने बताया कि जनपद के कृषक उर्वरक प्राप्त करने में आने वाली समस्या के समाधान हेतु कन्ट्रोल रूम के मोबाइल नम्बर पर सूचित कर सकते हैं। कन्ट्रोल रूम प्रस्येक कार्य दिवस में प्रातः 10:00 बजे से सांय 05:00 बजे तक क्रियाशील रहेगा।

04 परिवारों में सुलह कराते हुए परिवारों को टूटने से बचाया

क्यूँ न लिखूँ सच / भूपेन्द्र तिवारी / आवेदिका द्वारा आपसी पारिवारिक विवाद के सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक महोदय के समक्ष सुलह हेतु प्रार्थना पत्र दिया गया, जिसके निस्तारण हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र को निर्देशित किया गया। परिवार परामर्श केन्द्र द्वारा शिकायतकर्ता की शिकायतों को विस्तारपूर्वक सुनकर-समझकर द्वितीय पक्ष से सम्पर्क करके उन्हें पुलिस कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केंद्र बुलाया गया तथा दोनों पक्षों को समझाया गया, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पक्षों द्वारा भविष्य में आपस में लड़ाई-झगड़ा न करने तथा परिवारिक कर्तव्यों का पालन करते हुए खुशी-खुशी साथ रहने की बात कही गयी। आपसी सुलह होने पर दोनों पक्षों को एक दूसरे के साथ आपस में सामंजस्य स्थापित कर परिवारिक दायित्यों को सही प्रकार से निर्वहन करने हेतु सलाह दी गयी।

बाढ़ के पानी से चौतरफा घिरे कटरी के गांव, नावों से हो रहा आवागमन

कटरी से सटे गांवों की सड़कों व संपर्क मार्ग पर पानी भरा। नावों से आवागमन हो रहा है। कटरी के इलाकों में बाढ़ का पानी कम नहीं हो रहा है। चैनपुरवा, भगवानदीनपुरवा सहित अन्य जगहों पर नाव और कुछ जगहों पर लोग ट्रैक्टर से आवागमन कर रहे हैं। सड़कें, चट्टे पानी से भरे हुए हैं। प्रशासन के अधिकारी लगातार प्रभावित इलाकों का दौरा कर रहे हैं।ख्योरा कटरी, दुर्गापुरवा, भगवानदीनपुरवा, भोपालपुरवा, रानीघाट और चैनपुरवा में सड़कों व संपर्क मार्गों पर पानी भरा है। यहां के निवासियों का शहर से संपर्क कट गया है। बीडीसी शिवकुमार ने बताया कि चैनपुरवा सहित आसपास के सात गांवों में सात नाव लगाई गई हैं।नाविक भी अपनी नावों से ग्रामीणों को लाने-ले जाने में मदद कर रहे हैं। वहीं, दिबनीपुरवा, रामपुर, पहाड़ी पुरवा, छोटा व बड़ा मंगलपुर, नत्थापुरवा, कद्दूपुरवा और कल्लू पुरवा गांव भी पानी से घिरे हुए हैं। 24 घंटे में नहीं बढ़ा जलस्तर बुधवार को बैराज पर गंगा का जलस्तर 114.79 मीटर था। एक दिन पहले भी इतना ही था। यह खतरे के निशान से मात्र 21 सेमी कम है।

प्रभारी मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर का औचक निरीक्षण - अव्यवस्थाएँ देख जताई नाराज़गी!

क्यूँ न लिखूँ सच / शिवपुरी। मंत्री जी ने श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया जी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उनके मार्गदर्शन में प्रदेश और क्षेत्र की व्यवस्थाओं में निरंतर सुधार हुआ है। शिवपुरी जिले में औचक निरीक्षण के दौरान मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर जी ने अस्पतालों, शहर व दफ्तरों की गंदगी और अव्यवस्था देखकर कड़ी नाराज़गी जताई। जहाँ लापरवाही दिखी, वहाँ उन्होंने खुद सफाई व सुधार कार्य शुरू किया और अधिकारियों-कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिए। नगर पालिका कर्मचारियों को माला पहनाकर साफ चेतावनी दी - अगली बार गलती मिली तो सीधे नौकरी से हटा दिए जाओगे। मड़ीखेड़ा वाटर प्लांट पर उठे गंभीर सवाल 200 करोड़ की लागत से बने इस प्लांट से गंदा पानी सप्लाई हो रहा है, जिसे लोग पीने तो दूर नहाने में भी संकोच कर रहे हैं। इस पर मंत्री जी ने कहा - मैं जल्द ही मड़ीखेड़ा प्लांट का निरीक्षण करूंगा और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होगी। मीडिया पर रोक को लेकर बड़ा बयान जब सवाल किया गया कि अस्पताल या अन्य संस्थानों में मीडिया को रोकने की शिकायतें मिल रही हैं, तो मंत्री जी ने साफ कहा - मीडिया भारत का चौथा स्तंभ है। इसे जनता और शासन की योजनाओं को पहुँचाने का अधिकार है। केवल अति संवेदनशील जगहों को छोड़कर कहीं भी पाबंदी नहीं होगी। इस अवसर पर पूर्व मंत्री सुरेश राठखेड़ा, विधायक शिवपुरी देवेंद्र जैन, कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी, पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़, एसडीएम आनंद राजावत, तहसीलदार शिवपुरी सहित जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। अब सवाल यह है - क्या अधिकारी-कर्मचारी मंत्री जी की मौजूदगी तक ही एक्शन मोड में रहेंगे या उनके जाते ही लापरवाही फिर लौट आएगी? यदि मंत्री जी समय-समय पर ऐसे ही औचक निरीक्षण करते रहे, तो वह दिन दूर नहीं जब शिवपुरी जिला प्रदेश की सुचारू व्यवस्थाओं में अग्रसर हो।

खाद की कालाबाजारी पर योगी सरकार सख्त, अफसरों को निर्देश- लगातार करें मॉनिटरिंग, उपलब्धता की जानकारी दी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अफसरों को निर्देश दिया है कि जिलों में लगातार मॉनिटरिंग करें जिससे कि किसानों को दिक्कत न होने पाए। वहीं, किसानों से भी अपील की है कि वो जरूरत से ज्यादा खाद का भंडारण न करें और जरूरत होने पर फिर ले लें। खाद की उपलब्धता की कोई कमी नहीं है।योगी सरकार ने एक बार फिर साफ किया है कि प्रदेश में कहीं भी उर्वरकों की दिक्कत या कमी नहीं है। किसानों के लिए पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध है। सरकार ने खाद के अनावश्यक भंडारण न करने की अपील की है। कृषि विभाग ने सभी 18 मंडलों में खाद की उपलब्धता व बिक्री की जानकारी दी। खरीफ सत्र 2024 में इस अवधि (18 अगस्त) तक 36.76 लाख मीट्रिक टन उर्वरक की बिक्री हुई थी, वहीं इस वर्ष अब तक 42.64 लाख मीट्रिक टन उर्वरक की बिक्री की जा चुकी है।मुख्यमंत्री ने की किसानों से अपील मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किसानों से अपील की कि खाद का भंडारण न करें। जितनी आवश्यकता है, उतना खाद लें, जब-जब आवश्यकता है, तब-तब खाद लें। हर जनपद में शिकायत प्रकोष्ठ है। किसी भी परेशानी की स्थिति में अवगत कराएं। मुख्यमंत्री ने उर्वरक की ओवररेटिंग, कालाबाजारी करने वालों को कड़ी चेतावनी भी दी है। उन्होंने जनपद में तैनात अधिकारियों को समय-समय पर निरीक्षण करने, किसानों से संवाद स्थापित करने और समस्याओं का निस्तारण करने का निर्देश दिया है। कृषि विभाग ने बताया कि प्रदेश में खाद की कोई कमी नहीं है।पिछले वर्ष से अधिक हुआ खाद वितरण प्रदेश में पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष अभी तक अधिक खाद वितरण किया जा चुका है। विगत वर्ष 27.25 लाख मीट्रिक टन यूरिया वितरण हुआ था, इस वर्ष अभी तक 31.62 लाख मीट्रिक टन वितरण किया जा चुका है। डीएपी 2024 में वितरण 5.28 लाख मीट्रिक टन का रहा, इस वर्ष यह बिक्री 5.38 लाख मीट्रिक टन हुई। एनपीके उर्वरक (नाइट्रोजन, फॉस्फोरस व पोटेशियम मिश्रण) का वितरण विगत वर्ष 2.07 लाख मीट्रिक टन रहा, इस वर्ष 2.39 लाख मीट्रिक टन वितरण किया जा चुका है। एमओपी (म्यूरेट ऑफ पोटाश) 0.25 लाख मीट्रिक टन के सापेक्ष इस वर्ष 0.46 लाख मीट्रिक टन वितरित हुआ। वहीं एसएसपी (सिंगल सुपर फॉस्फेट) का वितरण 2024 में 1.91 लाख मीट्रिक टन रहा, इस वर्ष किसानों को 2.79 लाख मीट्रिक टन वितरण किया जा चुका है। खाद की उपलब्धता यूरिया: 18 अगस्त तक प्रदेश में 37.70 लाख मीट्रिक टन की उपलब्धता रही। इसमें से 31.62 लाख मीट्रिक टन की खरीद किसानों द्वारा की जा चुकी है। डीएपी- 18 अगस्त तक 9.25 लाख मी. टन की उपलब्धता रही, जिसमें से 5.38 लाख मी. टन की खरीद किसानों ने कर ली है। एनपीके- 18 अगस्त तक 5.40 लाख मी0टन की उपलब्धता रही। इसमें से 2.39 लाख मीट्रिक टन की खरीद किसानों ने कर ली। गत वर्ष की तुलना में 4.37 लाख मीट्रिक टन अधिक यूरिया की बिक्री खरीफ फसलों की बुवाई का कार्य पूर्ण हो गया है। मुख्य फसल धान में टॉप-ड्रेसिंग हेतु प्रतिदिन औसतन 49564 मी0टन यूरिया की खपत/बिक्री हो रही है। गतवर्ष की तुलना में इस वर्ष 16.04ब (मात्रा 4.37 लाख मी0टन) अधिक यूरिया उर्वरक की बिक्री हुई है।

संक्षिप्त समाचार

तेज रफ्तार डंपर ने मोपेड में टक्कर मारी, मामा व भांजी की मौत, नाना गंभीर रूप से घायल

दुर्घटना मूसा नगर रोड पर जनता इंटर कॉलेज के सामने हुई। नाना को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मूसा नगर रोड पर जनता इंटर कॉलेज के सामने बुधवार को तेज रफ्तार डंपर ने मोपेड में टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में मोपेड चला रहा मामा व पीछे नाना की गोद में बैठी तीन साल की भांजी की मौत हो गई। नाना गंभीर रूप से घायल हो गए।

घायल को सीएचसी में भर्ती कराया गया। वहां से डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद कानपुर के उर्सला अस्पताल रेफर कर दिया।फतेहपुर के बकेवर थाना क्षेत्र के गोपालपुर निवासी चंद्रपाल (60) घाटमपुर के रेवना थाना क्षेत्र के मछैला गांव में ब्याही बेटी गुड्डन पत्नी सियाराम के घर आए थे। बुधवार को वह जहांगीराबाद में ब्याही नातिन सोनम देवी पत्नी संदीप के घर नाती अरुण (13) पुत्र सियाराम के साथ गए थे। वहां से अरुण अपने नाना व तीन साल की भांजी प्रज्ञा को मोपेड से लेकर मछैला गांव लौट रहा था। मूसा नगर रोड पर जनता इंटर कॉलेज के सामने पहुंचते ही तेज रफ्तार डंपर ने मोपेड में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से मामा अरुण और भांजी प्रज्ञा की सड़क पर गिरने से डंपर से कुचलकर मौके पर मौत हो गई।नाना गंभीर रूप से घायल हो गए। चालक डंपर छोड़कर भाग गया। कस्बा चौकी प्रभारी शैलेंद्र सिंह ने बताया कि दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। उधर, दुर्घटना की खबर सुनते ही परिजन सीएचसी पहुंचे, दोनों शवों को देखकर बदहवास हो गए। नाती अरुण व मासूम प्रज्ञा घर की इकलौती संतान थीं। उनकी मौत की खबर घरों में पहुंचने पर मातम छा गया।

भूनी टोल पर तीसरे दिन भी छाया रहा सन्नाटा, टोल रहा फ्री, आठवां आरोपी भी पुलिस ने किया गिरफ्तार

मेरठ के भूनी टोल प्लाजा पर हंगामे के चलते तीसरे दिन भी वाहनों से वसूली बंद रही। सेना के जवान से मारपीट मामले में पुलिस सात आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है, जबकि आठवें आरोपी को भी पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। मेरठ के सरूरपुर में भूनी टोल प्लाजा पर तनाव तीसरे दिन भी जारी रहा। रविवार रात सेना के जवान कपिल के साथ मारपीट की घटना के विरोध में सोमवार को ग्रामीणों ने जमकर हंगामा और तोड़फोड़ की थी। इसके बाद से टोल पूरी तरह फ्री कर दिया गया और बुधवार को भी वाहनों से किसी भी प्रकार की वसूली नहीं की गई।घटना को देखते हुए टोल पर भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है। सुरक्षा कारणों से प्रशासन लगातार हालात पर नजर रखे हुए है। पुलिस ने इस मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जबकि आठवां आरोपी फरार चल रहा था। उसकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब तक आरोपियों की गिरफ्तारी पूरी नहीं हो जाती, वे आंदोलन जारी रखेंगे। वहीं दोपहर होने तक पुलिस ने आठवें आरोपी को भी धर दबोचा। विज्ञापनजवान से मिलने मिलिट्री हॉस्पिटल पहुंचे सपा विधायक अतुल प्रधान मेरठ में भूनी टोल प्रकरण में घायल हुए जवान को मिलिट्री हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। सोमवार को सरधना विधायक अतुल प्रधान अस्पताल पहुंचे और घायल जवान से मुलाकात की। उन्होंने जवान का हालचाल जाना और परिवार को ढांढस बंधाया। अतुल प्रधान ने चिकित्सकों से भी बातचीत कर उपचार संबंधी जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने कहा कि घायल जवान के इलाज में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। जरूरत पड़ने पर शासन-प्रशासन स्तर पर भी बात की जाएगी। भूनी टोल प्रकरण को लेकर क्षेत्र में आक्रोश बना हुआ है। विधायक ने कहा कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं दोबारा न हों।

शाहजहांपुर के जलालाबाद का नाम बदला, अब परशुरामपुरी से जाना जाएगा यह नगर

शाहजहांपुर जिले के जलालाबाद नगर को अब परशुरामपुरी के नाम से जाना जाएगा। इसका नाम बदल दिया गया है। इस पर केंद्रीय गृह मंत्रालय से मंजूरी मिल गई है। इस संबंध में गृह मंत्रालय से पत्र जारी किया गया है। शाहजहांपुर जिले के जलालाबाद का नाम बदल दिया गया है। अब यह नगर परशुरामपुरी के नाम से जाना जाएगा। इस संबंध में गृह मंत्रालय से पत्र जारी किया गया है। इस पर केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने गृह मंत्री अमित शाह का आभार जताया है। परिवर्तित कर %परशुरामपुरी% करने की अनुमति देने पर गृह मंत्री अमित शाह का नेतृत्व में आए इस निर्णय ने संपूर्ण सनातनी समाज को गर्व का क्षण प्रदान किया अनुमोदन दे दिया था। प्रदेश के प्रमुख सचिव ने केंद्रीय गृह मंत्रालय के सचिव को मंत्रालय ने स्वीकृति दे दी है। बीते दिनों भेजा गया था पत्र बीते दिनों प्रदेश के गया था कि जलालाबाद भगवान परशुराम की जन्मस्थली है। वहां भगवान परशुराम रखे जाने की मांग की जाती रही है। नगर पालिका परिषद ने मार्च 2018 व सितंबर के डीएम ने बोर्ड की बैठक में पारित प्रस्ताव संलग्न कर नाम परिवर्तन को अपनी केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने बीते अप्रैल में ही लोगों की आस्था को देखते हुए तथा पालिका बोर्ड के प्रस्ताव पर प्रदेश सरकार ने अपनी सहमति जताते हुए नगर का नाम परशुरामपुरी किए जाने का अनुमोदन दे दिया था। इस प्रस्ताव पर गृह मंत्रालय ने मंजूरी देते हुए बुधवार को पत्र जारी कर दिया। वर्षों से चली आ रही था मांग भगवान परशुराम की यह नगरी आसपास क्षेत्र में ही नहीं बल्कि दूरदराज जनपदों के लोगों की आस्था से जुड़ी रही है। इस नगर का नाम परशुरामपुरी घोषित किए जाने की मांग भी लंबे समय से चली आ रही था। 24 अप्रैल 2022 को घोषित हुई परशुराम की जन्मस्थली भगवान परशुराम की इस नगरी को शासन की ओर से 24 अप्रैल 2022 को जन्मस्थली घोषित किया गया था। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने मंदिर प्रांगण में आयोजित सभा में इसकी घोषणा की थी। इस दौरान उन्होंने मंदिर प्रांगण का सुंदरीकरण करते हुए पर्यटन स्थल के रूप में विकसित कराने का वादा भी किया था।30 करोड़ की धनराशि से संवारी जा रही है जन्मस्थली जन्मस्थली घोषित होने के बाद मंदिर प्रांगण के सुंदरीकरण और श्रद्धालुओं की सुविधा से जुड़े विभिन्न तरह के कार्य कराने के लिए मुख्यमंत्री संवर्धन योजना के तहत 19 करोड़ की धनराशि प्रदेश सरकार ने मंजूर की थी। इसके अलावा सरकार ने मंदिर के पास स्थित करीब 42 एकड़ के रकबे वाले तालाब के पानी को साफ सुथरा करने, इस पर घाट, सीढ़ियां और पाथ-वे का निर्माण करने, रामताल के किनारे से ही मंदिर तक सीधा व चौड़ा रास्ता बनाने सहित विभिन्न अन्य तरह के कार्यों के लिए अमृत सरोवर योजना के तहत 11 करोड़ की धनराशि अलग से मंजूर की थी। इस धनराशि से दोनों जगहों पर कार्य चल रहे हैं।

उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर लिखा है, %शाहजहांपुर स्थित जलालाबाद का नाम धन्यवाद एवं आभार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के है।%प्रदेश सरकार ने जलालाबाद का नाम परशुरामपुरी किए जाने के प्रस्ताव को पत्र भेजकर नाम परिवर्तन की स्वीकृति शीघ्र देने की अपेक्षा की थी। इस पर गृह प्रमुख सचिव की ओर से केंद्रीय गृह सचिव को पत्र भेजा गया था। जिसमें कहा का काफी पुराना ऐतिहासिक मंदिर भी है। इसलिए जलालाबाद का नाम परशुरामपुरी 2023 में इस मांग के प्रस्ताव बोर्ड बैठक में भी पारित किए। अप्रैल में शाहजहांपुर संस्तुति सहित पत्र शासन को भेजा था।पत्र में प्रमुख सचिव ने यह भी कहा था कि नगर का नाम परशुरामपुरी घोषित किए जाने की मांग शासन से की थी। उक्त मांग

बाहुबली पूर्व विधायक विजय मिश्र के बेटे विष्णु को हाईकोर्ट से मिली जमानत, आर्म्स एक्ट में दर्ज हुआ था केस

बाहुबली पूर्व विधायक विजय मिश्र के बेटे को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। गोपीगंज थाने में आर्म्स एक्ट के तहत वर्ष 2022 में मुकदमा दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान पुलिस ने एके-47 बरामद करने का दावा किया था। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अवैध हथियार रखने के आरोपी भदोही से पूर्व विधायक विजय मिश्रा के बेटे विष्णु मिश्रा की जमानत अर्जी मंजूर कर ली है। यह आदेश न्यायमूर्ति राजबीर सिंह की अदालत ने विष्णु मिश्रा की ओर से दाखिल दूसरी जमानत अर्जी पर दिया है।मामला भदोही के गोपीगंज थाना क्षेत्र का है। 2022 में विष्णु मिश्रा के खिलाफ गोपीगंज थाने में आर्म्स एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज हुई थी। इस मामले में उनकी पहली जमानत अर्जी हाईकोर्ट ने 14 मई 2024 को खारिज कर दी थी। इससे पहले विष्णु मिश्रा पर दुष्कर्म समेत कई गंभीर धाराओं में केस दर्ज है। 2020 में दर्ज एक मामले की जांच के दौरान पुलिस को सूचना मिली थी कि वह आनापुर ग्राम में चंदन तिवारी के घर पर छिपा है। वहां से पिस्तौल बरामद हुई थी और छापे के दौरान विष्णु पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया था।चार अगस्त 2022 को पुलिस ने उसकी निशानदेही पर भदोही के अमवा स्थित पेट्रोल पंप से नौ एमएम की पिस्तौल, चार मैगजीन, 375 कारतूस और एके-47 राइफल बरामद की थी। इसी बरामदगी के आधार पर दूसरा मुकदमा दर्ज किया गया था। इसमें हाईकोर्ट ने विष्णु मिश्रा की राहत दी है। यह है पूरा मामला 2022 में भदोही के गोपीगंज थाने में विष्णु मिश्रा के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 3/7 -25 और 29-क्क में एफआईआर दर्ज हुई थी। विष्णु मिश्रा के खिलाफ दुष्कर्म समेत अन्य धाराओं में भी कई मामले पहले से दर्ज है। पूर्व विधायक विजय मिश्रा और विष्णु मिश्रा पर गायिका के साथ दुष्कर्म का मामला दर्ज हुआ था। विजय मिश्रा इन दिनों आगरा जेल में बंद हैं जबकि बेटा विष्णु लखीमपुर खीरी जेल में बंद है। चार अगस्त 2022 को पुलिस ने गोपीगंज के अमवा स्थित बंद पड़े एक पेट्रोल पंप से नाइन एमएम के पांच कारतूस, नाइन एमएम की एक पिस्टल, चार मैगजीन, 375 कारतूस और एक एके-47 राइफल बरामद की थी ।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

ई-केवाईसी, मॉडल शॉप निर्माण व खाद्यान्न वितरण पर जिलाधिकारी के सख्त निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच /राजेंद्र. विश्वकर्मा / जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कलेक्ट्रेट सभागार में खाद एवं रसद विभाग की गहन समीक्षा बैठक कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में उचित दर विक्रेताओं की कार्यप्रणाली, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत वस्तुओं के वितरण, राशन कार्डों का सत्यापन, मॉडल शॉप निर्माण, ई-केवाईसी, जीरो पावर्टी अभियान के लाभार्थियों तथा निलंबित/निरस्त दुकानों की स्थिति पर विस्तृत समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद के सभी 761 उचित दर विक्रेताओं के यहां ई-पॉस मशीनों से लिंक ई-वेईट मशीनें अनिवार्य रूप से स्थापित रहें। उन्होंने निर्देश दिए कि अपात्र व्यक्तियों को हटाकर पात्रों को जोड़ा जाए और खाद्यान्न का शत-प्रतिशत वितरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने ई-केवाईसी को प्राथमिकता बताते हुए कहा कि यह कार्य हर हाल में पूर्ण होना चाहिए। जिला पूर्ति अधिकारी ने जानकारी दी कि वर्ष 2023-24 के लक्ष्य के अंतर्गत 75 ग्राम पंचायतों में से 71 में मॉडल उचित दर दुकानों का निर्माण पूर्ण हो चुका है और 70 दुकानों पर वितरण कार्य भी शुरू हो गया है। वहीं वर्ष 2024-25 के अंतर्गत 46 दुकानों का निर्माण प्रारंभ है, जबकि 3 ग्राम पंचायतों में भूमि चिन्हांकन शेष है। जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारियों से समन्वय कर चिन्हांकन तुरंत पूरा करने के निर्देश दिए। वर्ष 2025-26 में मिले 100 से 125 लक्ष्य के सापेक्ष अब तक 88 ग्राम पंचायतों में भूमि चिन्हांकन हो चुका है। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि चिन्हित ग्राम पंचायतों में कार्य तेजी से आगे बढ़े और शेष ग्राम पंचायतों में चिन्हांकन का काम तत्काल पूरा कराया जाए। साथ ही निलंबित 3 और निरस्त 7 दुकानों का आवंटन भी शीघ्र किया जाए। इस अवसर पर जिला पूर्ति अधिकारी राजीव शुक्ला सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

विकास कार्यों की बैठक में डीएम के विभागों को निर्देश कहां सुधार नहीं हुआ होगी जिम्मेदारी तय

क्यूँ न लिखूँ सच / राकेश गुप्ता/ शामली जिलाधिकारी शामली श्री अरविन्द कुमार चौहान की अध्यक्षता में आज विकास भवन के सभागार में सीएम डैश बोर्ड पर आधारित विकास कार्यों एवं राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। आयोजित बैठक में जिलाधिकारी ने विकास कार्यों एवं राजस्व कार्यों की विभाग वार समीक्षा करते हुए सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों को सीएम डैश बॉर्ड पर दर्शाया गया डाटा के अनुसार लक्ष्य के सापेक्ष अपेक्षित प्रगति के निर्देश दिये साथ ही जिन विभागों की प्रगति खराब मिली उन विभागों को कड़ी फटकार लगाते हुए जहां कमी है उसमें सुधार करते हुए प्रगति के निर्देश दिये। ताकि जनपद की रैंकिंग ठीक रहें।

बैठक में जिलाधिकारी ने विकास कार्यों कार्यों की समीक्षा करते हुए पंचायती राज भाग,एनआरएलएम,जल निगम, फैमिली आईडी,बेसिक शिक्षा विभाग की संतोष जनक प्रगति न होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए अपेक्षित प्रगति के निर्देश दिए साथ ही चेतावनी दी गई। बैठक में जल निगम ग्रामीण के सहायक अभियंता द्वारा अनुपस्थित पाए जाने पर एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश के साथ ही अधिशासी अभियंता जल निगम को भी कारण बताओं नोटिस के निर्देश दिए बैठक में निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्माण कार्यों को गति देते हुए समय सीमा के तहत पूरा करने के निर्देश दिए। विकास कार्यों की समीक्षा के उपरांत जिलाधिकारी ने राजस्व कार्यो की समीक्षा करते हुए,लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति के निर्देश दिए। बैठक में समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने आबकारी अधिकारी को प्लान बनाकर एसडीएम के साथ चेकिंग कर कार्यवाही के निर्देश दिए। समीक्षा में जिलाधिकारी ने प्रधानमंत्री आवास योजना में जिन लोगों ने किस्त प्राप्त कर ली है और मकान निर्माण शुरू नहीं किया है उनसे रिकवरी के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्वक निस्तारण के निर्देश के साथ ही शिकायतकर्ता का फीडबैक भी प्राप्त करने के निर्देश दिये। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार तिवारी,श्री सत्येन्द्र सिंह,अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0), शामली, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ अनिल कुमार, सीएमएस डॉ किशोर आहुजा,पीड़ी डीआरडीए प्रेम चन्द,जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी ज्योति प्रजापति सहित सभी संबंधित विभाग के अधिकारी व राजस्व विभाग की बैठक में सभी एसडीएम सहित समस्त संबंधित विभाग के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहें।

बरसात की नमी के कारण कच्चा घर गिरा, बाल-बाल बचे परिजन

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार/ माधौगढ (जालौन)ः-उत्तर प्रदेश की योगी सरकार गरीब व मजलुमो को कच्चे से पक्के मकानों की कबायत में सराहनीय कार्य मे लगी हुई है पर अभी भी धरातल पर जिम्मेवार नीद में और लोग जान जोखिम में डालकर कच्चे मकानों में रहने को मजबूर है,एक ऐसा ही मामला जनपद जालौन के माधौगढ़ तहसील के खंड विकास रामपुरा के अंतर्गत ग्राम जमालपुरा है जहाँ निवासी लालू याज्ञिक का कच्चा घर बरसात की नमी के कारण डेह गया। घटना सुबह तकरीबन 9 बजे की है,जब परिजन अपने काम काज में लगे हुए थे, और घर के बच्चे घर मे बैठे खाना खा रहे थे, तभी अचानक से घर की कच्ची दीवार और छत गिर गयी जिसके मलवे में बच्चे दब गए,और घर मे रखा कीमती सामान आदि बुरी तरह छतिग्रस्त हो गया,आनन- फानन में बड़ी मशक्कत के बाद परिजनों ने बच्चों को मलवे से बाहर निकाला और उनका प्राथमिक उपचार कराया,पीड़ित लालू याज्ञिक अति गरीब व्यक्ति है उसने कई बार उच्च अधिकारियों ,ग्राम प्रधान,सचिव से आवास दिलाने की मांग की हैं, पर जिम्मेदार है कि उनके कानों पर जू तक नही रेंगती,अब इस घटना की जानकारी के बाद ग्राम प्रधान ने पीड़ित को आवास दिलाये जाने की बात कही है, वही पीड़ित परिजनों ने भी भविष्य में ऐसी घटना घटित न हो के बाबत में उच्च अधिकारियों से आवास दिए जाने व नुकसान की भरपाई की मांग की है,कार्यवाही में ग्राम के लेखपाल भुवनेश्वर ने पीड़ित निर्धन लालू याज्ञिक के घर का निरीक्षण करते हुए मुआवजा दिलाने हेतु जांच कर दस्तावेज उच्च अधिकारियों को प्रेषित किये है। अब देखना होगा की पीड़ित परिजनों को कब तक न्याय मिलता है

कैराना बना नशे का अड्डा पुलिस ने पकड़ा छोटा सप्लायर बड़े तस्कर अब भी आजाद घूम रहे हैं

क्यूँ न लिखूँ सच / राकेश गुप्ता/ शामली कोतवाली पुलिस ने देर दस्त के दौरान एक युवक को 24 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया पुलिस इसे बड़ी सफलता बता रही है लेकिन हकीकत यह है कि क्षेत्र में फैल चुके नशे के कारोबार पर इस तरह की कार्यवाही ऊंट के मुंह में जरा साबित हो रहा है छोटे धधे बाज सलाखों के पीछे हैं मगर असली सरगना अब भी बाहर खुले आम घूम रहे हैं जानकारी के मुताबिक उप निरीक्षक राहुल देशवाल मय टीम हेड कांस्टेबल प्रमोद कुमार हेड कांस्टेबल यतेंन्द्र भारद्वाज और कांस्टेबल उधम सिंह रात करीब 1ः30 बजे गस्त पर थे इसी दौरान कैराना झारखेड़ी मार्ग पर पुलिस को देखकर एक युवा के शक पका गया और भागने लगा पुलिस ने पीछा कर उसे दबोच लिया पूछताछ में उसने अपना नाम सावेज पुत्र जमील निवासी जहां पूरा थाना कैराना बताया तलाशी में आरोपी की पॉलिथीन से स्मैक की एक पाउच बरामद हुई जिसका वजन 24 ग्राम निकला आरोपी ने कबूल किया कि वह स्मैक बेचने की फिराक में था पुलिस ने बुरा मत माल को मौके पर सील कर कार्यवाही पुरी की ओर आरोपी को धारा 82/21 एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गिरफ्तारी की पूरी वीडियो ग्राफी भी कराई गई हालांकि स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस छोटे स्तर के नशा बेचने वालों को पड़कर अपनी उपलब्धि गिनाती है लेकिन इस गोरख धंधे के असली ग्रैंडफादर अभी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है यही वजह है की कैराना और उसके आसपास नशे का कारोबार दिन प्रतिदिन पर प्रसार रहा है

कंप्यूटर क्रांति के जनक, भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री राजीव गांधी जी की जयंती मनाई गई

क्यूँ न लिखूँ सच / राकेश गुप्ता/ शामली आज ज़िला कांग्रेस कमेटी शामली द्वारा सहारनपुर तिराहे पर स्थित भारत में कंप्यूटर क्रांति के जनक, भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री राजीव गांधी जी की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर ज़िला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री अखलाक प्रधान जी ने कहा कि स्वर्गीय राजीव गांधी जी का योगदान देश के विकास और आधुनिक भारत के निर्माण में अविस्मरणीय है। कार्यक्रम में कई वरिष्ठ कांग्रेसजन, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने राजीव गांधी जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष डॉक्टर रामलाल सिंह कश्यप, जिला संगठन प्रभारी शमशीर ख़ान,जिला महासचिव संदीप शर्मा , रिजवान थानाभवन ब्लॉक अध्यक्ष सुमित कौशिक ,जिला मीडिया प्रभारी फ़रमान अंसारी, जिला सचिव बिलाल, शाकिर, साबिर , आलिम एससी/ एसटी ज़िला अध्यक्ष अरविंद झंझोट , जुनैद, राकेश आदि उपस्थित रहे।

मंदिर तोड़ने से मना करने पर ईट पत्थरों से किया हमला

क्यूँ न लिखूँ सच / लवकुश ठाकुर / अलीगढ़: जलाली नयाबास मजरा में एक मंदिर की दीवार तोड़ने से मना कर पर विवाद हो गया। दवंगों ने ईंट पत्थरों से हमला कर घायल कर दिया। मामले में मेघ सिंह पुत्र पीतंबर सिंह ने निजी भूमि में वर्ष 2002 में थी। जिसका वह खुद पुजारी शिव की मंदिर में पूजा अर्चना जुलाई2025 को गांव के ही पुत्र नेम सिंह, कुमकुम पुत्री व मोंटी पुत्र अजय पाल व पुत्र प्रमोद जाटव व हेमंत पुत्र सिंह, शिशुपाल पुत्र बाबूलाल, सिंह पुत्र भंवर प्रसाद, जितेंद्र नितिन पुत्र द्वारका प्रसाद, रनवीर पुत्र भूपाल, चुन्नीलाल चुन्नीलाल व मुकेश पुत्र जो अनसूचित जाति से हैं ने दी है। आरोपितों ने गाली ईंट पत्थर से हमला किया है। बचाई है उसके नाई समाज है। आए दिन आरोपित मेरे और मेरे परिवार से गाली गलौज करते हैं। हमारे मकान पर यह मकान बिकाऊ है लिख देते हैं। बाद में सभी लोग मुझे जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। इस डर की वजह से उसने अपनी जान माल तथा मंदिर की सुरक्षा को लेकर घटना का वीडियो बनाया है जो उसके पास है।

बताया है कि उसने अपनी शिव मंदिर की स्थापना की है। तभी से सभी लोग भगवान करते आ रहे हैं। बीती 29. नेम सिंह पुत्र भोलाराम, प्रदीप नेम सिंह, प्रशांत पुत्र दीपचंद्र नागेंद्र पुत्र हरिप्रसाद, चेतन छोटेलाल, अतर सिंह पुत्र तेज बाबूलाल पुत्र रामलाल, रंजीत पुत्र नाथूराम,सतेंद्र पुत्र नाथूराम, रिषीपाल पुत्र श्याम लाल, पुत्र गंगाराम, सतेंद्र पुत्र मोतीलाल समेत अन्य लोग जबरन मंदिर की दीवार तोड गलौज करते हुए उसके ऊपर उसने जैसे तैसे अपनी जान का गांव में एक ही परिवार

संक्षिप्त समाचार

कोतवाल अजीत सिंह ने कार्यभार संभाला, अपराधी बदमाश किसी सूरत में बक्शे नहीं जायेगे अजीत सिंह

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार/ कोंच(जालौन) कोंच कोतवाली के नये प्रभारी निरीक्षक अजीत सिंह ने आज कोंच आकर अपना कार्यभार संभाल लिया है एक मुलाकात में नये कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक अजीत सिंह ने बताया है कि वह वर्ष 2005 बेच से है और वह प्रयागराज के रहने वाले है इससे पूर्व वह जिला झांसी में रहे थाना गुरसरांय थाना मोंठ थाना चिरगांव के बतौर थाना प्रभारी का रूप में कार्य कर चुके है और नदीगांव थाने में भी वह प्रभारी निरीक्षक के पद पर रह चुके है इससे पूर्व वह जालौन कोतवाली में कार्यरत थे पुलिस अधीक्षक ने अब उन्हें कोंच की जिम्मेदारी दी है उन्होंने कहा कि कोंच क्षेत्र में वह किसी प्रकार का जुआ सट्टा नहीं होने देंगे जो लोग इस कार्य में लिप्त है उनके खिलाफ कड़ी कार्यवाही करेंगे उन्होंने कहा कि शासन की मंशा अनुरूप पीड़ित लोगों को न्याय दिलाया जाएगा क्षेत्र में अपराध नियंत्रण के लिये ठोस काम किया जायेगा उन्होंने साफ कहा कि अपराधी बदमाश चोर उच्चके आदि को वह किसी सूरत में छोड़ते नहीं है उन्होंने कहा कि अच्छे लोगों का सम्मान हर समय करेंगे गलत दलाल टाइप के लोग उन्हें कतई पसंद नहीं

क्षेत्र को अपराध मुक्त बनाने का कार्य किया जावेगा अवनीश बर्मा

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार/ कोंच(जालौन) कोंच सर्किल के थाना कैलिया में नव आगंतुक थानाध्यक्ष के पद पर सब इंस्पेक्टर अवनीश कुमार वर्मा ने अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है एक संक्षिप्त मुलाकात में नये थानाध्यक्ष अवनीश कुमार वर्मा ने बताया है कि वह वर्ष 2015 बेच के सब इंस्पेक्टर है और वह सीतापुर जिले के मूल निवासी है इससे पहले वह उरई की पहले वह राजेंद्र नगर चौकी के प्रभारी थे और इससे पहले वह कोंच कोतवाली की सागर चौकी के प्रभारी के रूप में कार्य कर चुके है थानाध्यक्ष अवनीश कुमार वर्मा ने कहा कि क्षेत्र को अपराध मुक्त करना ही उनकी प्राथमिकता है उन्होंने कहा कि यह थाना मध्य प्रदेश की सीमा से सटा हुआ है इस लिये यहां पर कड़ी निगरानी रखी जावेगी और पड़ोसी जनपद झांसी की सीमा भी लगी हुई है उन्होंने कहा कि क्षेत्र में किसी तरह का कोई गलत कार्य नहीं होना दिया जावेगा साथ ही जुआ सट्टा आदि भी नहीं खिलने दिया जावेगा क्षेत्र में शांति व्यवस्था को और अधिक अच्छा बनाने के लिये प्रयास किये जायेगे उन्होंने कहा पीड़ित लोगों की मदद चौबीस घंटे की जावेगी क्षेत्र में किसी तरह की कोई गुंडागर्दी नहीं करनी दी जावेगी उन्होंने कहा कि अच्छे लोगों का थाने में पूरा सम्मान किया जावेगा इस अवसर पर एसएसआई जगमोहन सिंह दरोगा मोहित कुमार यादव पहाड़ गांव चौकी प्रभारी धर्मवीर सिंह जगन पुरा चौकी प्रभारी विवेक कुमार मिश्रा दरोगा रूपेंद्र सिंह यादव दीवान श्री राम प्रजापति सहित तमाम पुलिस कर्मी मौजूद रहे

नए सेटेलाइट बस स्टैंड के लिए पनैठी हाईवे के पास 4 एकड़ भूमि की चयनित

क्यूँ न लिखूँ सच / लवकुश ठाकुर / अलीगढ़-कानपुर जीटी रोड पर पनैठी के पास नया सेटेलाइट बस स्टैंड बनाने के लिए चार एकड़ भूमि चयनित कर ली गई है। यह स्थल एयरपोर्ट के नजदीक स्थित है और पनैठी हाईवे ओवरब्रिज से पहले आता है। शासन की मंजूरी मिलने के बाद यहां बस स्टैंड का निर्माण जल्द शुरू होगा। इसे सेटेलाइट बस स्टैंड मॉडल के रूप में विकसित किया जाएगा, जिससे शहर के यातायात प्रबंधन में सुधार और यात्रियों को बेहतर सुविधा मिल सके।

इलाहाबाद हाईकोर्ट का बड़ा आदेश: पत्नी बिना कारण अलग रहने पर नहीं मिलेगी गुजारा भत्ता

क्यूँ न लिखूँ सच / लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि यदि पत्नी बिना किसी उचित कारण पति से अलग रह रही है, तो वह गुजारा भत्ता की हकदार नहीं होती। यह टिप्पणी कोर्ट ने मोनिका गुप्ता की ओर से दायर आपराधिक पुनरीक्षण अर्जी को खारिज करते हुए की। आदेश न्यायमूर्ति राजीव मिश्रा की एकल पीठ ने दिया। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि गुजारा भत्ता केवल उन्हीं परिस्थितियों में मिलता है, जहां पत्नी वास्तविक जरूरत या मजबूरी के कारण पति से अलग रहती है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

These 5 places of South India are best to visit in September, there is no comparison to their beauty

If you are planning to travel in September, then some places of South India are perfect for you. These places are known for their beauty and beautiful views. Also, this weather is also perfect for visiting. Let's know about 5 places in South India to visit in September (Travel Spots for September).

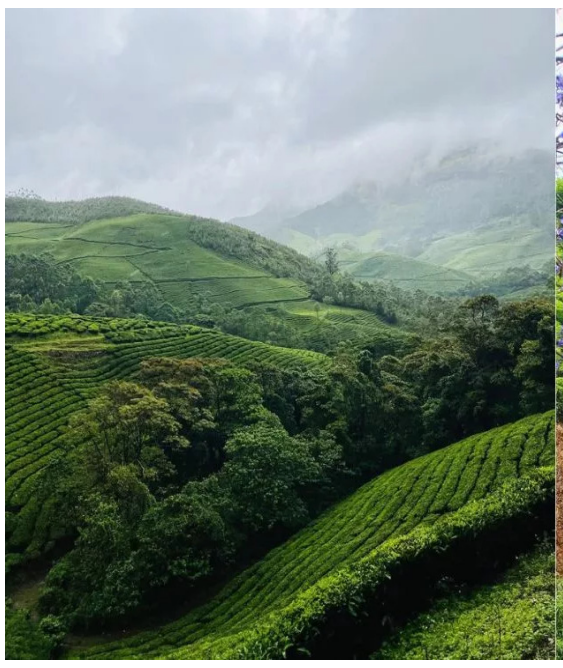

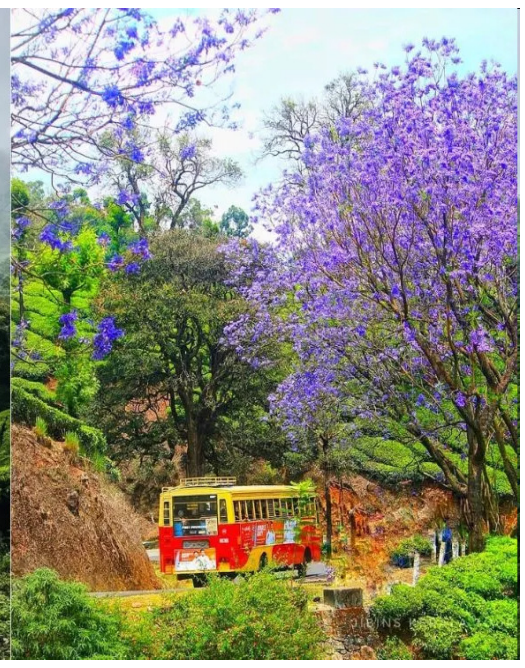

The month of September is very good for visiting At this time there is neither much cold nor heat, some places in South India are perfect to visit at this time. The month of September is a perfect time to visit India. The monsoon is almost over and the beginning of winter is the beginning, this season is a very good time to visit with light rain and pleasant weather. If you want to go for a trip at this time, then some places in South India (Travel Spots for September) are perfect for you. The beautiful views and exciting activities here will make you crazy. Let's know about the 5 best places to visit in South India in September. Munnar, Kerala Located in the Idukki district of Kerala, Munnar is known as the "land of tea gardens". The weather here is pleasant in the whole area charming. Eravikulam National Park, Mattupetty Dam and Tea Museum are worth visiting in Munnar. If you are a nature lover, then Munnar is a perfect place for you. Kodaikanal, Tamil Nadu Known as the "Princess of Hill Stations", Kodaikanal is a popular hill station in Tamil Nadu. The temperature here is pleasant in September and can be easily reached from Coimbatore. Kodaikanal Lake, Bryant Park, and Pillar Rocks are the main attractions here. This place is also great for trekking and boating enthusiasts. Hampi, Karnataka UNESCO World Heritage Site Hampi is known for its historical ruins and Vijayanagara Empire. The weather here is better to visit in the grandeur of the September, as the heat is less and the air is fresh. Watching the sunset from Vitthal Temple, Hazara Ram Temple, and Matanga Hill is a very unique experience. Puducherry Puducherry is a calm and beautiful coastal city which is famous for its French architecture and spiritual atmosphere. The weather here in September is pleasant with the sea breeze. Promenade Beach, Auroville, and Paradise Beach are the main attractions here. It is also a great place for yoga and meditation lovers. Kochi, Kerala The city of Kochi in Kerala is called the "Queen of the Arabian Sea". It is a historic port city where a mixture of ancient and modern culture is seen. The weather here in September is mildly humid, which is good for sea travel. Fort Kochi, Jew Town, and Marine Drive are the main tourist spots here.

Have you ever wondered, why is the wife the husband's Better Half? Know the interesting reason behind this

The relationship between husband and wife is considered very sacred. Usually husbands call their wives by many names. But there is one word that has been in use for centuries and that is Better Half (Why Wives are Called Better Half). This word shows closeness in the relationship. The relationship between husband and wife is a sacred bond. The wife is called Ardhangini. The wife is usually given the status of Better Half. The relationship between husband and wife is considered very sacred. Be it husband or wife, they definitely give some name to their partner lovingly. Usually you must have seen that the husband lovingly calls his wife Better Half. This is a word that shows closeness and depth in the relationship. When someone calls their partner by this name, there is a feeling of love, respect and pride hidden in it. This is the reason why these words are still used to describe the beauty of married relationships. But have you ever wondered why this happens? Why are most wives called better half, if we say in pure Hindi then Ardhangini? If not, then you must read this article of ours. We are going to tell you the reason behind this in detail. Let's know - what is the meaning of better half? Let us tell you that better half means 'partner who completes incomplete life'. Often men proudly call their wife 'my better half'. Any marriage is considered complete only when both together take the responsibility of maintaining the relationship. An incomplete part is completed when either of the husband or wife fulfills the deficiency of the other. Wife accepts husband in every way. Wife is mostly called better half because she equally shares her husband's happiness, problems and responsibilities. She considers everything of her husband as her own. Be it family, difficult time or a happy occasion. Wife accepts her husband in every way. Wife teaches men to love. With the arrival of a wife, the husband never feels any lack of loneliness or closeness in his life. It is said that men are a little immature in sharing their feelings. But the wife fulfills this lack with her love. It is only a wife who teaches her husband that sharing feelings is also important. This strengthens the relationship. The story is also shown in films You must have seen in today's films and TV serials how a boy is forcibly married. Initially, he does not love his wife at all but later he changes because of his wife's love. It is his wife who teaches him the real meaning of love. Marriage is a sacred bond. The husband always has the confidence that his wife will always stand by him, no matter how many difficulties come. Marriage is a sacred bond, in which if there is help, honesty, understanding and love, then no difficulties can break the relationship. The biggest job of a wife is to support her husband emotionally and mentally. That is why the wife is called the better half.

If you are getting keratin treatment done a lot for beautiful hair, then definitely know its disadvantages

Nowadays, the trend of getting hair coloured and going to the parlour for hair treatment has increased a lot. Often women resort to hair treatment to make their hair beautiful, shiny and to protect it from breakage. Similarly, keratin hair treatment makes hair soft and shiny, but it also has some disadvantages. Proper care is very important to make hair healthy. That is why many people take keratin treatment for hair. However, it also damages hair many times. Keratin hair treatment is done to make hair smooth, shiny and fringe-free. This makes the hair smooth, shiny and frizz-free for some time, but getting keratin treatment done repeatedly also brings its side effects. What is keratin treatment? This is a popular process to make hair soft, shiny, in which the upper layer of the hair is coated with keratin protein. Yes, it is another thing that the chemicals and high temperature used in this process can have a negative effect on the hair and scalp. Due to this, hair also gets damaged in many ways. Let us know what effect repeated keratin treatment has on hair. Side effects of keratin hair treatment Hair weakening and breakage The high heat and chemicals used in keratin treatment can weaken the hair, due to which the hair starts breaking easily. During this process, when keratin is applied repeatedly on the hair, the natural oil of the hair gets lost somewhere, due to which the hair starts weakening. Scalp irritation and itching Formaldehyde and other chemicals are used during keratin treatment. This can cause irritation and itching in the scalp, which can cause allergies and inflammation. Sometimes it can also cause irritation in the eyes and breathing problems. Some keratin treatments contain chemicals like parabens and sulfates, which damage the hair, due to which the hair loses its moisture and after some time it starts becoming rough. Hair fall Keratin treatment makes the hair shiny and fringe free but getting this treatment done again and again leads to hair fall. This treatment weakens the roots of the hair, due to which hair starts falling more. This causes more harm than benefit. Oily scalp and hair After keratin treatment, extra sebum comes out from the scalp, due to which the hair starts looking oily and greasy quickly. At the same time, the scalp of some people is oily, due to which the problem of dandruff and pimples also increases. Hair quality deteriorates After keratin treatment, more care has to be taken of the hair. For this, expensive shampoo and conditioner are needed. Besides, if you do this repeatedly, the quality of hair deteriorates.

New family enters Gokuldham, now Rajasthani tadka will be added along with Gujarati-Marathi

Taarak Mehta ka ooltah chashmah The team of television show Taarak Mehta Ka Ooltah Chashmah is ready to welcome a new family in Gokuldham Society. The show's makers Asit Kumar Modi have welcomed this new entertainment. Entry of new family family will be seen in Gokuldham sitcom 'Taarak Mehta Ka Ooltah Along with Gujarati, Punjabi, also join the Gokuldham Society, has now promised a double new family will be welcomed in traditionally decorated camels and in Asit Kumar Modi will also appear in to the members of the society. the years, our audience has given a Ka Ooltah Chashmah. Over time, family and everyone has been loved further told that many actors had these actors for their honesty and show. He said, 'Whenever we have audience has warmly accepted them. Abdul and all other characters have will also soon make a special place in show Ratan Binjola, the owner of a saree shop in Jaipur, will be played by Kuldeep Gor, who is a famous Gujarati actor. TV actress Dharti Bhatt will be seen as Roopa Baditop, who is a housewife as well as a content creator. Her children Veer (Akshan Sehrawat) and Bansari (Mahi Bhadra) will be the new kids in the society after Tappu Sena.

family in the show, promising even more in Taarak Mehta Ka Ooltah Chashmah A new Sony SAB airs Taarak Mehta show The famous Chashmah' is all set to welcome a new family. Marathi families, now a Rajasthani family will which is famous in every household. Asit Kumar entertainment dose in the show. This is how the Gokuldham This family will enter riding bright Rajasthani dress. The show's producer this episode and introduce Rupa Ratan's family Expressing his happiness, Asit Modi said, 'Over lot of love to every character of Taarak Mehta many new members have joined the Gokuldham by the audience wholeheartedly. Asit Modi auditioned for this role and the team selected deep understanding of a family daily comedy introduced new and interesting characters, the The way Jethalal, Bhide, Madhavi, Babita ji, become your favorites, I am sure that this family your hearts'. These actors will be a part of the

Announcement of the first film made entirely of AI, criticized by Sacred Games director

Chiranjeevi Hanuman Recently, many people in the industry including Anand L Rai criticized the climax of the film in the Tamil re-release of Raanjhanaa. But now a complete film has been announced which is completely AI Announcement of a completely AI generated the film Vikramaditya Motwani criticized The Last month, the film industry expressed the Tamil version of Anand L Rai's film intelligence, 'Chiranjeevi Hanuman - The Motwane has strongly criticized this Entertainment today released the poster of its 'Chiranjeevi is proud and honored to bring its-kind 'Made-in-AI', 'Made-in-India' avatar. we are set to release this film in theaters on Filmmaker Vikramaditya Motwane re-shared began... Who needs writers and directors had told that he dislikes the excessive use of threat. The danger is not from the creators save more money for themselves. That's where

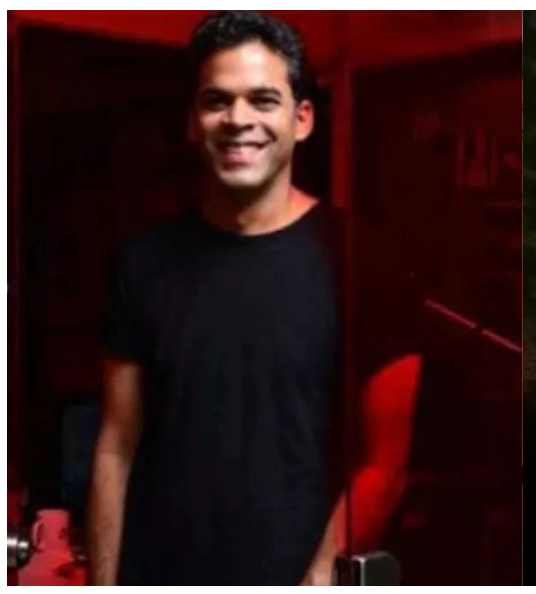

generated. Vikramaditya Motwani has criticized it. film Chiranjeevi Hanuman A team of 50 engineers is making use of AI in film making has been increasing for some time. displeasure over the AI generated climax of Ambikapathy, Raanjhanaa. But today, a complete film made using artificial Eternal' has been announced. Filmmaker Vikramaditya announcement. Production house Abundantia first full Made-in-AI film. He wrote in its caption, the story of Hanuman - The Eternal to theaters in a first-of- With deep reverence for our culture, heritage and history, Hanuman Jayanti 2026'. Vikramaditya Motwane criticized the post on his Instagram stories and wrote, 'And so it when it's 'Made in AI''. Earlier too, Vikramaditya Motwane AI in films'. He had told Hindustan Times, 'I consider AI a who use it. The danger is from those who want to use it to the danger comes from'. The use of AI in Raanjhanaa was opposed The film Raanjhanaa, directed by Anand L Rai and starring Dhanush, was re-released in Tamil by production house Eros Entertainment on August 1, 2025 with a climax created using AI. Both Anand L Rai and Dhanush publicly criticized this move. Because Kundan dies in the original film. Kundan survives in the AI climax. Chiranjeevi Hanuman - The Eternal is the first film of its kind made entirely using Artificial Intelligence.

Manika Vishwakarma considers these two people as her role models, one of them is a former Miss Universe

Miss Universe India 2025 Manika Vishwakarma of Rajasthan was crowned Miss Universe India 2025 this year. Manika will represent India in Miss Universe 2025. Manika has inspired millions of girls in the country today. But do you know whom Manika considers her role model? Manika Vishwakarma won Miss Universe India 2025 Manika Vishwakarma considers these two people as her role models Manika Vishwakarma will enhance India's pride in Miss Universe 2025 Miss Universe India Manika Vishwakarma has inspired millions of women today. But there are two people in Manika's life whom she considers her role models. In a recent interview with ANI, she revealed who she considers her inspiration. Who are Manika's role models? In an interview to ANI, Manika said, 'I saw my parents and my friends and I could see that everyone was really happy... The beauty of Rajasthan that we saw during Miss Universe India is that I got a chance to host my contestants for 2 consecutive years, which is a great feeling. We do a lot of preparation for the competition, which includes stage presence, ramp walk, but the most important is self-confidence. There have been two role models for me, one Sushmita Sen and the other my mother'. Miss Universe India 2024 Riya Singha crowned Manika on Sunday at the grand finale held in Jaipur, Rajasthan. Tanya Sharma from Uttar Pradesh was the first runner-up, while Mehak Dhingra from Haryana was the second runner-up and Amishi Kaushik was the third runner-up. Manika, a native of Sriganganagar, Rajasthan and currently living in Delhi, is a final year student of Political Science and Economy. Last year she won the title of Miss Universe Rajasthan. These people from India won the Miss Universe crown India has a good track record at Miss Universe, with three winners making their names in the history. Sushmita Sen became the first Indian Miss Universe in 1994, followed by Lara Dutta in 2000 and two decades later, Harnaaz Sandhu brought laurels to India by winning the Miss Universe crown in 2021.